राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 09 अगस्त-2021 वर्ष-4, अंक - 197 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

2022 में सपा और महानदल बनाएंगे गठबंधन की सरकार : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सहयोगी पार्टी महान दल के साथ मिलकर वह सरकार बनाएंगे और जातीय आधार पर जनगणना कराएंगे ताकि साफ हो सके कि पिछड़ों की तादाद कितनी है। अखिलेश यादव रविवार को सपा मुख्यालय में महान दल के कार्यकर्ता सम्मेलन में बोल रहे थे। अखिलेश ने यह भी कहा कि सत्ता में आने पर कोरोना काल में हुई मौतों की जांच कराएंगे। वहीं महान दल के नेता केशव देव मौर्य ने कहा कि वह भाजपा को हराने के लिए सपा में विलय कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के आधार पर कोरोना से जान गंवाने वालों के आश्रितों की मदद की जाएगी। जातीय जनगणना की मांग दुहराते हुए उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार ऐसा नहीं करती हैं तो सपा सरकार बनने पर यूपी में जाति की गिनती कराई जाएगी ताकि सामाजिक न्याय को अच्छे से लागू किया जा सके। इसके लिए 200-250 टेलीफोन लाइंस लगा कर लोगों की गणना होगी। भाजपा को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा पिछड़ों के हमदर्द बनने का नाटक करती है। चुनाव के वक्त उन्हें मंत्री पद दिए जा रहे हैं। पर हकीकत सब जानते हैं। विधानसभा चुनाव यह पिछड़ी व दलित जातियां भाजपा को वोटों की लाठी से मारेगी। पुलिस भर्ती में जिन 1700 लोगों को हमने नौकरी दी, भाजपा ने आरक्षण का नियम बदल कर उनसे यह मौका छीन लिया। सरकार बनने पर उनके साथ न्याय किया जाएगा महान दल के कार्यकर्ताओं के सभी कार्य होंगे।

राहुल गांधी का अकाउंट लॉक होने के बाद कांग्रेस के हैंडल पर भी रेप पीड़िता के परिवार की फोटो

पार्टी की ट्विटर को चुनौती

नई दिल्ली। राहुल गांधी के बाद कांग्रेस पार्टी ने भी रेप पीड़िता की पहचान उजागर करते हुए रविवार को ट्विटर इंडिया को इसका अकाउंट लॉक करने की चुनौती दी। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का अकाउंट लॉक किए जाने के बाद कांग्रेस ने यह चुनौती दी है। माना जा रहा है कि दिल्ली में 9 साल की एक बच्ची से रेप और हत्या की घटना में पीड़िता की पहचान उजागर करने की वजह से उनपर यह कार्रवाई की गई है। विपक्षी पार्टी ने #मैंभी Rahul' हैशटैग के साथ ट्वीट किया, '''ट्विटर इंडया हमारा भी अकाउंट लॉक कर दो। हम आपको चुनौती देते हैं। न्याय के लिए लड़ने और सच को उजागर करने से हमें कुछ नहीं रोक सकता है।" कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर विवादित तस्वीर को शेयर किया है, जिसकी वजह से राहुल गांधी के हैंडल को लॉक किया गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का ट्विटर हैंडल शनिवार को अस्थायी रूप से लॉक कर दिया गया था। कांग्रेस पार्टी ने पहले कहा था कि राहुल गांधी के अकाउंट को सस्पेंड कर दिया गया है, लेकिन ट्विटर की ओर से इनकार किए जाने के बाद पार्टी ने कहा कि अकाउंट को लॉक किया गया है। राहुल गांधी का अकाउंट लॉक किए जाने को लेकर कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार के दबाव में ऐसा किया गया है। पार्टी नेता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, "मोदी सरकार दलित की बेटी को न्याय देने की बजाय, हमदर्दी व न्याय मांगने वाली बुलंद आवाज को दबाने का षडयंत्र कर रही है। मोदी जी, ट्विटर को डरा कर, राहुल गांधी का अकाउंट बंद करा कर भी बेटी से न्याय की आवाज नहीं दबा पाएंगे। ट्विटर को दबाएं या ऋक्षकदर्ज कराएं, न्याय देना होगा।" पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मोदी सरकार ने अपनी पालतू दमनकारी पुलिस से ट्विटर को डराया-धमकाया और राहुल गांधी जी के ट्वीट को डिलीट करवाया, अकाउंट को ब्लॉक करवाया।

टोक्यो ओलिंपिक का हुआ समापन

339 इवेंट्स में 11000 एथलीट्स शामिल, बजरंग पूनिया ने की भारतीय दल की अगुवाई

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की चुनौतियों के बावजूद टोक्यो ओलिंपिक सफल रहा। 23 जुलाई को शुरू हुए इस इवेंट का समापन हो चुका है। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (क्डउ) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने टोक्यो ओलिंपिक 2020 के समापन की औपचारिक घोषणा की। अब अगला ओलिंपिक 2024 में पेरिस में होगा। टोक्यो में करीब 11 हजार एथलीट्स ने 339 इवेंट्स में हिस्सा लिया। क्लोजिंग सेरेमनी में बजरंग पूनिया भारत के ध्वजवाहक रहे। भारत इस ओलिंपिक में 7 मेडल के साथ 48वें स्थान पर रहा, जो उसका ओलिंपिक इतिहास में सबसे शानदार प्रदर्शन है। भारत की ओर से जेवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड, वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और रेसलर रवि दहिया ने सिल्वर मेडल दिलाया। वहीं शटलर पीवी सिंधु, रेसलर बजरंग पूनिया, बॉक्सर लवलिना बोरगोहेन और पुरुष हॉकी टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। क्लोजिंग सेरेमनी की शुरूआत आतिशबाजी से हुई। इसके बाद मंच पर मेजबान जापाना का झंडा लाया गया। इसके बाद सभी देशों के झंडे स्टेडियम में एक गोले में दिखाई दिए। धीरे-धीरे एथलीट्स भी स्टेडियम में आने लगे। यह शानदार दृश्य था, सिर्फ भारतीयों के लिए नहीं, बल्कि इसने दुनिया के सभी लोगों का दिल जीता। जिन खिलाड़ियों के इवेंट्स आज थे, उन्हें मेडल भी दिया गया। समापन समारोह में टोक्यो के गवर्नर युरिको कोइके और क्डउ के अध्यक्ष थॉमस बाक ने ओलिंपिक ध्वज को पेरिस की मेयर एनी हिडाल्गो को सौंपा। पेरिस में ही अगला 2024 पेरिस ओलिंपिक होना है। इस दौरान एफिल टावर पर ओलिंपिक ध्वज भी फहराया गया। समापन समारोह में फ्रांस के राष्ट्रगान की प्रस्तुति के बाद स्टेडियम में फ्रांस का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके बाद पेरिस ओलिंपिक 2024 की उलटी गिनती शुरू हो गई। इसी के साथ एथलीट भी आने वाले ओलिंपिक खेलों की तैयारियां शुरू कर देंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी वीडियो के जरिए सभी को अगले ओलिंपिक के लिए शुभकामनाएं दीं। क्लोजिंग सेरेमनी में बजरंग पूनिया ने भारतीय दल की अगुवाई की। बजरंग ने कुश्ती में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। जब ओपनिंग सेरेमनी होता है तो सभी एथलीट अपने झंडे के साथ चलते हैं। पर क्लोजिंग सेरेमनी में सभी देशों की सीमाएं खत्म हो जाती हैं।

दुनियाभर के एथलीट एकसाथ एक धुन में चलते हैं और मोमेंट को एंजॉय करते हैं। सेरेमनी में सभी एथलीट्स ने लोगों को 'स्ट्रॉन्ग टुगेदर' का मैसेज भी दिया। अलग-अलग इवेंट में कुल 340 गोल्ड मेडल, 338 सिल्वर और 402 ब्रॉन्ज खिलाड़ियों ने जीते। टोक्यो ओलिंपिक 2020 में अमेरिका ने 39 गोल्ड, 41 सिल्वर और 33 ब्रॉन्ज समेत कुल 113 मेडल अपने नाम किए। जबकि चाइना ने 28 गोल्ड, 32 सिल्वर और 18 ब्रॉन्ज सहित कुल 88 मेडल हासिल किए। टोक्यो 2020 के अध्यक्ष सेको हाशिमोटो ने कहा कि ओलिंपिक खेलों से कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों का कोई संबंध नहीं था। ओलिंपिक के बाद अब टोक्यो में पैरालिंपिक गेम्स भी खेले जाएंगे। हाशिमोटो ने कहा कि इसका फैसला सही समय पर किया जाएगा। पैरालिंपिक 24 अगस्त से 5 सितंबर तक आयोजित किए जाएंगे टोक्यो से पहले भारत का सबसे सफल ओलिंपिक 2012 लंदन ओलिंपिक रहा है। इस ओलिंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 6 मेडल जीते थे। हालांकि इसमें एक भी गोल्ड मेडल नहीं था। लंदन में कुश्ती और शूटिंग में दो मेडल मिले थे। जिसमें एक-एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल था। इसके अलावा बॉक्सिंग में मेरीकॉम और बैडमिंटन में साइना नेहवाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। ओलिंपिक के उद्घाटन समारोह में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह और मुक्केबाज एमसी मेरीकॉम ने भारत का ध्वज थामा था।

त्रिपुरा में ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का विरोध

नई दिल्ली। त्रिपुरा में तृणमूल कांग्रेस युवा मोर्चा के नेताओं पर कथित हमले के बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी आज त्रिपुरा दौरे पर हैं। इस दौरान अगरतला पहुंचते ही उन्हें भाजपा कार्यकताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। भाजपा कार्यकताओं ने टीएमसी सांसद का विरोध करते हुए उन्हें काले झंडे दिखाए और गो बैक के नारे लगाए। इससे पहले त्रिपुरा रवाना होने से पहले अभिषेक ने वहां के मुख्यमंत्री बिप्लब देब को खुले तौर पर चैलेंज करते हुए कहा कि मैं त्रिपुरा आ रहा हूं, रोक सको तो रोक लो। शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर टीएमसी के नेताओं पर हमला करने का आरोप है। हालांकि, भाजपा ने टीएमसी की ओर से लगाए आरोप को बेबुनियाद बताया है। पश्चिम बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने कहा कि भाजपा हिंसा की राजनीति नहीं करती है। टीएमसी के नेता इस तरह की राजनीति में विश्वास रखते हैं। दरअसल, अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, "कल मैं त्रिपुरा आ रहा हूं हर उस तृणमूल कार्यकर्ता के साथ खड़े होने के लिए, जिन पर त्रिपुरा भाजपा के गुंडों ने बेरहमी से हमला किया था। यह मेरा वादा है कि मैं अपने खून की आखिरी बूंद तक लड़ाई जारी रखूंगा।

उम्मीद है आईटी समिति पेगासस मुद्दे पर करेगी विचार: थरूर

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पर संसदीय समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने रविवार को कहा कि सदस्यों ने 28 जुलाई को समिति की बैठक ह्यबाधितह्ल की, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि पेगासस आरोपों पर कोई चर्चा हो और जिन अधिकारियों को गवाही देनी थी, लगता है उन्हें ह्यहटपेश नहीं होने का निर्देश दिया गया ह्लह्ल उन्होंने उम्मीद जतायी कि आगामी समय में समिति जासूसी मुद्दे पर सुनवाई करेगी। समिति की बैठक में शामिल नहीं होने वाले मंत्रालय के अधिकारियों पर कार्रवाई करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखने वाले थरूर ने यह भी कहा कि बैठक से दूर रहने के लिए अंतिम समय में बहाने बनाने वाले तीन अधिकारियों की हरकत गवाहों को बुलाने के लिए ऐसी समिति के विशेषाधिकार पर एक गंभीर हमला है।

नई पैकेजिंग के साथ रीलॉन्च होगी उज्ज्वला योजना

इस बार सिलेंडर और गैस स्टोव भी मुफ्त

नई दिल्ली। गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले गरीब परिवारों को फ्री छढऋकनेक्शन देने की योजना उज्ज्वला को केंद्र सरकार नई पैकेजिंग के साथ उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले रीलॉन्च करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को उत्तर प्रदेश के महोबा जिले से उज्ज्वला योजना 2.0 की शुरूआत करेंगे। उज्ज्वला 2.0 के तहत लाभार्थी को गैस कनेक्शन के साथ-साथ स्टोव और पहली बार भरा हुआ सिलेंडर भी फ्री मिलेगा। साल 2017 में यूपी में हुए विधानसभा चुनाव में केंद्र की उज्ज्वला योजना की काफी चर्चा हुई थी और बीजेपी की बड़ी जीत का श्रेय इसे भी दिया गया था। हालांकि, उज्ज्वला के पहले संस्करण में सरकार सिर्फ छढऋ कनेक्शन के लिए 1600 रुपए (डिपॉडिट मनी) की राशि की आर्थिक सहायता देती थी। इस योजना के तहत गैस कनेक्शन पाने वाले परिवार स्टोव और सिलेंडर के लिए बिना ब्याज के लोन ले सकते थे। उज्ज्वला 2.0 के तहत केंद्र सरकार इस वित्तीय वर्ष में लगभग एक करोड़ गैस कनेक्शन गरीबों को मुफ्त में बांटेगी। आज से लगभग पांच साल पहले, यूपी चुनावों से पहले, पीएम मोदी ने 1 मई, 2016 को राज्य के बलिया जिले में इस योजना का पहला संस्करण (उज्ज्वला 1.0) लॉन्च किया था। नाम न छापने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि उज्ज्वला 2.0 के अंतर्गत 800 रुपए से अधिक की कीमत वाला सिलेंडर और एक स्टोव मुफ्त में देने की उम्मीद है। इस साल के बजट में योजना की मंशा की घोषणा की गई थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को 2021-22 में 1 करोड़ नए लाभार्थियों के लिए योजना का विस्तार करने की घोषणा की थी। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा, उज्ज्वला योजना, जिसने 8 करोड़ परिवारों को लाभान्वित किया है, को 1 करोड़ से अधिक और लाभार्थियों को कवर करने के लिए विस्तारित किया जाएगा। फ्री फर्स्ट रिफिल और स्टोव के साथ डिपॉजिट फ्री गैस कनेक्शन के अलावा इस योजना के नए रूप में ऑनलाइन आवेदन का प्रावधान होगा। अधिकारी ने बताया कि एक प्रवासी परिवार को अलग गैस कनेक्शन भी मिल सकता है। उन्होंने कहा, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) से संबंधित गरीब परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस योजना के तहत आवेदकों को केवाईसी के लिए एक फॉर्म भरना होगा, जिसके लिए किसी नोटरी के हलफनामे की जरूरत नहीं होगी। वहीं, प्रवासियों के पास यदि निवास प्रमाण पत्र नहीं होगा तो उनको सेल्फ डिक्लेरेशन का ऑप्शन दिया जाएगा। लोग इसे कॉमन सर्विस सेंटर या फिर गैस कंपनियों की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जजों के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के लिए सीबीआई ने अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार कर लियो है। इनमें से दो की गिरफ्तारी आज यानी रविवार को की गई है। वहीं एजेंसी द्वारा की गई यह कार्रवाई जांच एजेंसीज को लेकर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना की कड़ी टिप्पणी का असर माना जा रहा है। बता दें कि चीफ जस्टिस रमन्ना ने दो दिन पहले कहा था कि निचली अदालतों के जज जब धमकियां मिलने की शिकायत करते हैं तो सीबीाई और आईबी एक्शन नहीं लेते। चीफ जस्टिस ने यहे टिप्पणी धनबाद (झारखंड) के जिला जज की हत्या के मामले की शुक्रवार को सुनवाई के दौरान की थी। गौरतलब है कि इस आपत्तिजनक पोस्ट के पीछे की साजिश की जांच के लिए आंध्र की अदालत द्वारा शिकायत दो साल पहले ही की गई थी लेकिन अब जाकर इस मामले में कार्रवाई तेज की गई है। झारखंड के जिला जज उत्तम आनंद (49) की 28 जुलाई को उस समय हत्या की गई थी।

उप-राज्यपाल की दो टूक

कश्मीर सूफी संतों की भूमि है, आतंकियों और उनके समर्थकों के लिए कोई दया नहीं होगी

कश्मीर सूफी संतों की भूमि है। सैयद सिमनानी, जिन्होंने शांति को बढ़ावा देने और हिंसा को हराने के लिए खून और पसीना बहाया है, ऐसे सूफी संतों की भूमि में किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। यहां आतंकियों और उनके समर्थकों के लिए कोई दया नहीं होगी। प्रशासन कश्मीर में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये बातें जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कुलगाम जिले में रविवार को एक समारोह के दौरान कहीं। सिन्हा ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन सूफी संतों की दृष्टि को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कश्मीर की संस्कृति और विकास की राह बाधक बनने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। मैं धर्म गुरुओं से अपनी भूमिका निभाने और अभिभावकों से बच्चों पर नजर रखने का आग्रह करता हूं ताकि वे गलत रास्ते पर न चलें। दुर्भाग्य से कुछ तत्व और पड़ोसी देश शांति को बढ़ावा नहीं देना चाहतो है। लेकिन कश्मीर में हम हिंसा को हराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उप-राज्यपाले ने कहा कि जिन युवाओं ने गलत रास्ता चुना है, उन्हें हिंसा से दूर रहना चाहिए और बड़े बदलाव में शामिल होना चाहिए। जो लोग युवाओं को हिंसा की ओर धकेल कर गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, वे कश्मीर के सैकड़ों लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

नड्डा ने कार्यकर्ताओं से कहा- ब्रज से ही निकलेगा जीत का रास्ता

आगरा में भाजपा का चुनावी मंथन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ब्रज क्षेत्र की संगठनात्मक बैठक में पदाधिकारियों से कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का रास्ता ब्रज से होकर ही निकलेगा। रविवार को आगरा के फतेहाबाद रोड स्थित होटल ताज विलास में हुई बैठक में नड्डा ने संगठन और सरकार में समन्वय दुरुस्त करने के लिए सभी विधायकों और पदाधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही हर वरिष्ठ नेता को एक दिन बूथ पर रात्रि प्रवास करने के लिए कहा। सुबह 11 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक चली संगठन की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना काल में जब विपक्ष घरों में सो रहा था, तब हमने अभूतपूर्व कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं से कहा कि वह जनता तक सरकार की उपलब्धियां पहुचाएं। कार्यकता इस तरह चुनाव में जाएं कि पूरा विपक्ष एकजुट होकर भी नुकसान नहीं पहुंचा पाए। विपक्ष को पराजय दिखाई देने लगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यकताओं से कहा कि आपकी पहचान संगठन से ही है। संगठन ही सब कुछ है। बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री बीएल सन्तोष, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, ब्रज

क्षेत्र अध्यक्ष रजनीकांत माहेश्वरी व सह संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह समेत क्षेत्र व प्रदेश संगठन के 70 से अधिक पदाधिकारी मौजूद रहे। ब्रज क्षेत्र भाजपा के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा है। ब्रज क्षेत्र के 12 जिलों में 65 विधानसभा सीटें हैं। साल 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में ब्रज क्षेत्र की कुल 65 सीटों में से 57 पर भाजपा ने जीत दर्ज की। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी भाजपा अभी से ही मंथन करने में जुटी है। जेपी नड्डा औरे मुख्यमंत्री योगी लखनऊ से सुबह करीब 11 बजे आगरा के खेरिया हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां से गाड़ी से होटल ताज विलास रवाना हुए। रास्ते में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने नड्डा और योगी का खेरिया मोड़ चौराहे पर जोरदार स्वागत किया। उनके काफिले पर फूलों की वर्षा की गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

13 साल बाद ओलिंपिक में गूंजा राष्ट्रगान

नीरज चोपड़ा की स्वर्णिम सफलता यह बताती है कि भारत उन खेलों में भी कामयाब हो सकता है जिनके बारे में यह धारणा है कि उनमें हमारे खिलाड़ी कुछ खास नहीं कर सकते। नीरज इसकी मिसाल हैं कि लगन और मेहनत से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। टोक्यो ओलिंपिक में नीरज चोपड़ा ने सचमुच कमाल कर दिया। उन्होंने भाला फेंक में पहला स्थान हासिल कर न केवल देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता, बल्कि अभिनव बिंद्रा के बाद दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए, जो किसी व्यक्तिगत स्पर्धा में सबसे आगे रहे। इतना ही नहीं, वह स्वतंत्र भारत के पहले ऐसे खिलाड़ी बने, जिन्होंने एथलेटिक्स में पदक हासिल किया और वह भी स्वर्ण। नि:संदेह ओलिंपिक के एथलेटिक्स में मिल्खा सिंह से लेकर पीटी ऊषा तक ने अपने प्रदर्शन से देश और दुनिया को चमत्कृत किया, लेकिन पदक की आस अधूरी ही रही। इस अधूरी आस को नीरज चोपड़ा ने बेहद शानदार ढंग से पूरा किया। वह किस उच्च कोटि के खिलाड़ी हैं, इसका पता इससे चलता है कि उन्होंने अच्छे-खासे अंतर से न केवल फाइनल में जगह बनाई, बल्कि जीत भी हासिल की। यह असाधारण और उल्लेखनीय है कि उन्होंने भाला फेंक के उस खेल में अपनी बादशाहत हासिल की, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों की मुश्किल से ही गिनती होती थी। वह अपनी बेमिसाल कामयाबी के लिए शाबासी के हकदार हैं। उन्हीं के कारण 13 साल बाद ओलिंपिक में राष्ट्रगान गूंजा। उन्होंने देश को उत्साह और आनंद के वे अद्भुत क्षण प्रदान किए, जिनकी लोग व्यग्रता से प्रतीक्षा करते हैं। ऐसे क्षण देश को केवल गौरवान्वित ही नहीं करते, बल्कि लाखों बच्चों और किशोरों को खेल के मैदान में आने के लिए प्रेरित भी करते हैं। नीरज चोपड़ा की स्वर्णिम सफलता यह बताती है कि भारत उन खेलों में भी कामयाब हो सकता है, जिनके बारे में यह धारणा है कि उनमें हमारे खिलाड़ी कुछ खास नहीं कर सकते। नीरज इसकी मिसाल हैं कि लगन और मेहनत से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। भाला फेंक में नीरज के स्वर्ण पदक के साथ भारत ने टोक्यो ओलिंपिक में कुल सात पदक हासिल कर लिए हैं। इसी के साथ यह देश का सबसे सफलतम ओलिंपिक बन गया है। अब कोशिश इस बात की होनी चाहिए कि भारत खेल में एक बड़ी ताकत बने। आज के युग में किसी देश की प्रतिष्ठा इससे भी तय होती है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं और विशेषकर ओलिंपिक में कैसा प्रदर्शन करता है? भारत का लक्ष्य अगले या फिर उसके अगले ओलिंपिक की पदक तालिका में शीर्ष 10 देशों में स्थान बनाने का होना चाहिए। यह कठिन काम है, लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए उस खेल संस्कृति को और तेजी के साथ विकसित करने पर जोर दिया जाना चाहिए, जिस पर पिछले कुछ वर्षों से काम हो रहा है। इसमें खेल संघों के साथ राज्य सरकारों को भी अपने हिस्से की भूमिका का निर्वाह करना होगा, ताकि हमारे पास कई नीरज चोपड़ा हों।

'आज के ट्वीट

सराहना

पहलवान रवि कुमार दहिया ने ओलंपिक में भारत को सिल्वर पदक जिताने के साथ जिस तरह से अपने धैर्य और खेल भावना की मिसाल पेश की है उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम होगी। रवि कुमार दहिया की मेहनत और ओलंपिक में उनके शानदार प्रदर्शन की तहे दिल से सराहना है।-- विवेक बिन्द्रा

कर्मयोग से कायम हुए कीर्तिमान

– डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सार्वजनिक जीवन में कर्म योग पर अमल करते हैं। वर्तमान समय में उन्होंने ईमानदारी व मेहनत से कार्य की मिसाल कायम की है। मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में पूर्ण क्षमता- कुशलता से अपनी जिम्मेदारियों का उन्होंने निर्वाह किया है। इक्कीस वर्ष की इस अवधि में उन्होंने एक भी अवकाश नहीं लिया। इस दौरान विपक्ष के सर्वाधिक हमले उन्हीं पर हुए। यह हमले आज भी उसी तीव्रता से जारी हैं। उनके प्रत्येक कदम पर हंगामा होता है। नरेन्द्र मोदी ने इसे अपनी नियति मान ली है। हमलों को झेलते हुए वह निरन्तर आगे बढ़ते रहे हैं। उन्होंने एक बार कहा भी था कि विपक्ष की गलियां उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। मतलब इसे भी वह अवसर बना लेते हैं। उनका पूरा जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित है। शायद यही कारण है कि वह लगातार लोकप्रियता के शिखर पर हैं। समूचा विपक्ष उनके मुकाबले में नहीं है। नरेन्द्र मोदी को कर्म योग की जीवन शैली पसन्द है। यही कारण है कि वह अक्सर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की सराहना करते हैं। योगी आदित्यनाथ गोरक्ष पीठ के श्रीमहंत हैं। लेकिन समाज जीवन में वह भी कर्म योगी हैं। बिना किसी अवकाश के लगातार पूरी ईमानदारी से कार्य करना उनकी भी विशेषता है। कोरोना पॉजिटिव होने के बाद भी उन्होंने विश्राम नहीं किया। अपने आवास से लगातार वर्चुअल माध्यम से सक्रिय रहे। अधिकारियों के साथ बैठक करते रहे,उनको निर्देश देते रहे,पूरे प्रदेश से आपदा प्रबंधन के फीडबैक प्राप्त करते रहे। कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने के कुछ घण्टे बाद ही वह वह जनपदों की व्यवस्था का भौतिक जायजा लेने निकल गए। यह क्रम कई दिनों तक जारी रहा। साठ से अधिक जनपदों में उन्होने व्यवस्था का परीक्षण किया। सभी जनपदों में ऑक्सीजन प्लांट लगवाने और संभावित तीसरी लहर की तैयारियों पर उनका विशेष जोर था। इसके पहले कोरोना की पहली लहर के दौरान उनका कर्म योग परिलक्षित हुआ था। उस समय वह लगातार आपदा प्रबंधन में व्यस्त थे। योगी के इस प्रबंधन मॉडल की दुनिया में सराहना हो रही थी। अनेक विकसित देशों ने भी योगी मॉडल की प्रशंसा की थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी योगी मॉडल की सराहना की थी। इसी दौरान योगी आदित्यनाथ को अपने संन्या पूर्व आश्रम पिता का निधन हुआ। योगी आदित्यनाथ यह समाचार सुन कर भावुक हुए थे। फिर भी प्रदेश के हित को उन्होंने वरीयता दी। वह पुनः कोरोना आपदा प्रबंधन के कार्यों में व्यस्त हो गए। उन्होंने अपने मन की व्यथा को दबाए रखा। यही तो कर्मयोग है। इसी कार्यशैली से वह पूर्वी उत्तर प्रदेश में चार दशकों की जापानी बुखार समस्या का समाधान करते हैं। चालीस वर्षों से कहर बनी इस बीमारी पर मात्र चार वर्षों में 95 प्रतिशत तक नियंत्रण स्थापित किया गया। इसी कार्यशैली से बयालीस योजनाओं में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर पहुंच गया। पहले उत्तर प्रदेश पिछड़ा और बीमारू माना जाता था। अब विकास के कीर्तिमान कायम हो रहे हैं। नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को योगी के साथ साथ कर्मयोगी बताया। अपने इस कथन के समर्थन में उन्होंने स्वयं प्रमाण भी गिनाए। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। योगी आदित्यनाथ अयोध्या से इस कार्यक्रम में सहभागी हुए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश लगभग सवा पांच करोड़ टीकाकरण करने वाला पहला राज्य बन गया है। उत्तर प्रदेश में जरूरतमन्दों को खाद्यान्न वितरण,आवास शौचालय,नि:शुल्क गैस कनेक्शन व विद्युत कनेक्शन,आयुष्मान भारत,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इससे उन सभी का जीवन अब अधिक सुविधापूर्ण हो गया है। उत्तर प्रदेश में हाई-वे, एक्सप्रेस वे,डेडिकेटेड फेट कॉरिडोर,डिफेंस कॉरिडोर के कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। खेती से जुड़े कार्यों को भी पूरी सतर्कता से जारी रखा गया। बीज, खाद,उपज बेचने के उचित प्रबन्ध किये जाने से किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन किया। योगी सरकार ने विगत चार वर्षों में किसानों से उनकी उपज के खरीद के हर साल नये रिकॉर्ड बनाये। गेहूं और धान की खरीद में इस साल पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दो गुनी संख्या में किसानों से खरीद की गयी। उत्तर प्रदेश में अभी तक सत्रह लाख से अधिक ग्रामीण एवं शहरी परिवारों को पक्के घर,लाखों गरीब परिवारों को घर में ही शौचालय की सुविधा,लगभग डेढ़ करोड़ गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत नि:शुल्क रसोई गैस कनेक्शन एवं लाखों परिवारों को बिजली कनेक्शन दिये गये। उत्तर प्रदेश में हर घर नल पहुंचाने का कार्य भी तेज गति से आगे बढ़ रहा है। विगत दो सालों में सत्ताईस लाख ग्रामीण परिवारों तक पाइप से पानी पहुंचाया जा चुका है। कोरोना के कारण बनी परिस्थितियों में रेहड़ी,ठेला लगाने वालों की आजीविका पटरी पर लाने के लिए स्वनिधि योजना के अंतर्गत बैंकों से जोड़ा गया। बहुत कम समय में ही योजना के दस लाख लाभार्थियों को लाभान्वित करने की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। अपराधियों में भय, गरीबों को सताने और अवैध कब्जा करने वालों में डर पैदा हुआ है। उत्तर प्रदेश में सार्थक बदलाव की शुरुआत हुई है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जनता के हिस्से का एक एक पैसा जनता के खाते में पहुंचे। उत्तर प्रदेश निवेश का केन्द्र बन रहा है। बड़ी कम्पनियां उत्तर प्रदेश में आने के लिए लालायित हो रही हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर के मेगा प्रोजेक्ट बन रहे हैं। इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर निर्मित हो रहे हैं। देश के अस्सी करोड़ गरीब लोगों को पिछले एक साल से अधिक समय से नि:शुल्क राशन मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत टीकाकरण के मामले में भी पचास करोड़ के करीब पहुंच गया है। शीघ्र ही इसे भी पार कर लेगा। कोरोना कालखण्ड में भारत का उद्यम नये प्रतिमान बना रहा है। जुलाई में जीएसटी का कलेक्शन एवं एक्सपोर्ट नई ऊंचाई छू रहे हैं। यह अर्थव्यवस्था की गति दर्शाता है। पहली बार किसी एक महीने में भारत को एक्सपोर्ट ढाई लाख करोड़ रुपये भी ज्यादा हो गया है। कृषि निर्यात में दशकों के बाद भारत दुनिया के टॉप दस देशों में सम्मिलित हुआ है। भारत का पहला मेड इन इण्डिया विमान वाहक पोत विक्रांत समुद्र में अपना ट्रायल प्रारम्भ कर चुका है। लद्दाख में दुनिया की सबसे ऊंची मोटरेबल रोड का निर्माण पूरा किया गया। ई-रूपी डिजिटल इण्डिया को मजबूती देगा। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। यह देश व दुनिया का नि:शुल्क खाद्य वितरण का सबसे बड़ा अभियान है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अन्न वितरण योजना से उत्तर प्रदेश के पन्द्रह करोड़ लोग योजना से सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। योजना के तहत अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों के साथ ही अन्य जरूरतमन्दों को भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों से राशन उपलब्ध कराने में मदद मिली है। योजना के तहत प्रदेश में खाद्यान्न के साथ ही एक वॉटर प्रूफ बैग भी दिया जा रहा है। नयी अयोध्या बनाने की संकल्पना को मूर्त रूप देने की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ रही है। अब तक एक सौ अड़तीस करोड़ रुपये की सत्रह परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की चौवन परियोजनाओं का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक की नयी परियोजनाओं का डीपीआर आदि तैयार करने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। इन परियोजनाओं के पूर्ण हो जाने पर वैश्विक जगत को एक नयी अयोध्या देखने को मिलेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

ज्ञान गंगा

योग

जग्गी वासुदेव

कई बार, जैसे ही लोग अपनी धन-संपत्ति खो बैठते हैं, वे सोचते हैं कि उनका जीवन समाप्त हो गया है, और वे स्वयं तक को मार डालने के लिए तैयार हो जाते हैं, है कि नहीं? पर, नहीं, अगर आप का धन चला गया है तो योग के लिए यही समय है! यही कारण है कि जीवन पर एक जबर्दस्त, अनूठे दस्तावेज 'योग-सूत्र' का आरंभ, उसके रचयिता पतंजलि ने, आधे वाक्य से किया है..और अब योग! अगर आप अभी भी यही सोचते हैं कि विवाहित होने से या अविवाहित रहने से आपका जीवन अपना उद्देश्य प्राप्त कर लेगा तो आपके लिए अभी योग का समय नहीं आया है। यदि आपको विास है कि कुछ धन-संपत्ति पाने से आपका जीवन सही हो जाएगा, तो भी यह योग का समय नहीं है। आपको अगर यह लगता है कि एक नया मकान बनाने से या नई गाड़ी खरीदने से आपके जीवन का उद्देश्य पूर्ण हो जाएगा, तब भी यह समय योग का नहीं है। हां, यदि आप जान जाते हैं कि ये सब चीजें हमारे जीवन में सुविधाएं तो लाएंगी पर हमारे अंदर किसी भी प्रकार का रूपांतरण नहीं लाएंगी-अगर आप यह एक बात समझते हैं तो-अब योग का समय है! तो अब, चीन का समय आ गया है-'और अब योग!' चाहे कुछ भी कहा जाए पर चीन एकमात्र देश है जिसने अपने 200 करोड़ लोगों को, दो पीढ़ियों में, लगभग 50 वर्ष के समय में, घनघोर गरीबी से निकाल कर खुशहाली के अच्छे स्तरों पर ला दिया है। किसी अन्य देश में ऐसा नहीं हुआ। भारत अभी सिर्फ इस सीमा पर ही है।जो काम चीन ने बहुत ज्यादा बलपूर्वक किया, भारत वह लोकतांत्रिक तरीके से कर सकता है-पर हम अभी भी सीमा पर बैठे हैं-हमें अभी भी कुछ दूर चलना है। हम बहुत सारी चीजों पर राय व्यक्त सकते हैं, बड़े-बड़े भाषण दे सकते हैं-बोलने की स्वतंत्रता, योग करने की स्वतंत्रता, मेरे अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने की स्वतंत्रता वगैरह। पर हमें यह समझना चाहिए कि चीनी लोगों की वर्तमान खुशहाली का कारण है कि इसे बलपूर्वक, जबरदस्ती कराया गया है। तो क्या रहने का अभी भी यही तरीका है? वे जब असहाय गरीबी में थे, तो आगे बढ़ने का यही तरीका था-सही या गलत-वही उनके लिए एक समाधान बना। हमें इसकी प्रशंसा करनी चाहिए, क्योंकि ऐसा हुआ है।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

जब हिल उठी थी अंग्रेजों की सरकार

9 अगस्त पर विशेष (लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे के साथ 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने का काम किया था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे।क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद गांधीजी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपना तीसरा बड़ा आंदोलन छेडने का फैसला लिया था। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा।

9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस जनान्दोलन में 942 लोग मारे गये, 1630 घायल हुए, 18 हजार डीआईआर में नजरबंद हुए तथा 60 हजार 229 गिरफ्तार हुए। जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था। 9 अगस्त 1942 के दिन इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचण्ड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी गिरफ्तार हो गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी और जनता भी आंदोलन की ओर झुक रही थी। लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़ताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे। 1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921, 1930, 1940-41 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाबू ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चौधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाईलाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का करो या मरो का नारा अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र साबित हो रहा था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया। 6 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार का तख्ता पलटने के उद्देश्य से बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकर्ताओं ने काकोरी कांड किया था। जिसकी यादगार ताजा रखने के लिए पूरे देश में हर साल 9 अगस्त को काकोरी काण्ड स्मृति-दिवस मनाया जाता था। इस दिन बहुत बड़ी संख्या में नौजवान एकत्र होते थे। गांधी जी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत 9 अगस्त 1942 का दिन चुना था। दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी सभाषचंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया। गांधी जी ने मौके की नजाकत को भांप लिया और 8 अगस्त 1942 की रात में ही बम्बई से अग्रेजों को भारत छोड़ो व भारतीयों को करो या मरो का आदेश जारी किया। अगस्त क्रांति आन्दोलन में महिलाओं के योगदान को कम तर नहीं आका जा सकता। अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी ने आंदोलन में खूब साथ दिया। अच्युत पटवर्धन, रासबिहारी, मोहन सिंह सरीखे क्रांतिकारियों ने अमूल्य योगदान दिया। सारा देश मानो हिल गया। 8 अगस्त 1942 को जिस क्रांति का सूत्रपात हुआ उसने यह जाहिर कर दिया कि अब अंग्रेजी हुकूमत टिक नहीं सकती। दरअसल सन् 1942 की क्रांति पिछले सत्तावन वर्ष से राष्ट्रीय कांग्रेस जो आंदोलन चला रही थी उसका उफान था। इस उफान ने अंग्रेजों की आंखें खोल दी। इस उफान की पृष्ठभूमि में लोकमान्य तिलक और उनके बाद महात्मा गांधी ने व्यापक जन-जागृति उत्पन्न की थी। भारत छोड़ो आंदोलन को 79 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में भारत के हर नागरिक को देश के इस बड़े आंदोलन के बारे में अवश्य जानना चाहिये। देखा जाए तो यह सही मायने में एक जन आंदोलन था। जिसमें अमीर, गरीब, ग्रामीण, शहरी का भेद भुलाकर लाखों की संख्या में आम हिंदुस्तानी शामिल हुये थे। इस आंदोलन की सबसे बड़ी खासियत थी कि इसने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया था। नवयुवक कॉलेज छोड़कर जेल जा रहे थे। इस आंदोलन का प्रभाव इतना ज्यादा था कि अंग्रेज हुकूमत पूरी तरह हिल गई थी। अंग्रेजों को इस आंदोलन को दबाने के लिए ही साल भर से ज्यादा का समय लगा था। जून 1944 में जब विश्व युद्ध समाप्ति की ओर था तो महात्मा गांधी को रिहा कर दिया गया। इस तरह आंदोलन ने ब्रिटिश हुकूमत पर व्यापक प्रभाव डाला और इसके कुछ साल बाद ही भारत आजाद हुआ। हमारे देश को अंग्रेजो की गुलामी से तो आजाद हुये काफी साल हो गये। मगर देश आज भी भ्रष्टाचार, भेदभाव, जातिवाद की गुलामी में जकड़ा हुआ है। देश में भ्रष्टाचार, जातिवाद का जहर लोगो की रग-रग में बस चुका है। भ्रष्टाचार के चलते देश के लोगों में अलगाववाद, आंतकवाद, साम्प्रदायिकता, विघटनकारी भावना घर कर गयी है। जो देश की तरक्की की राह में एक बड़ी रूकावट बन चुकी है। जब तक देश में भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लग पायेगी तब तक देश विकाश पथ पर समुचित गति से आगे नहीं बढ़ पायेगा।

भारत छोड़ो आंदोलन की ही तरह एक बार देश की जनता को नये सिरे से एकजुट होकर भ्रष्टाचार मिटाओ देश बचावो आन्दोलन चलाना होगा तभी देश सही मायने में आजाद हो पायेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

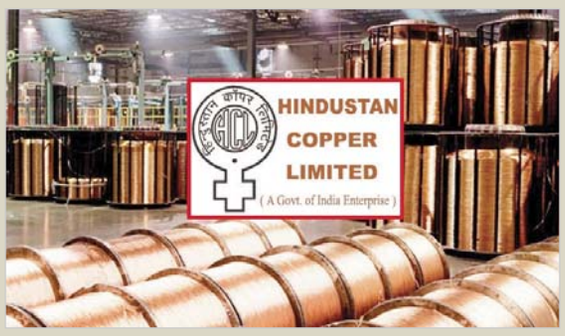

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने पहली तिमाही में 61.34 करोड़ रु का कर - पूर्व लाभ अर्जित किया

नई दिल्ली । हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के बोर्ड ने आज कोलकाता में आयोजित अपनी बैठक में वित्तीय वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों का अनुमोदन कर दिया। कंपनी ने पिछले वर्ष की पहली तिमाही में अर्जित किए गए 24.79 करोड़ रुपये के कर- पूर्व लाभ की तुलना में इस वर्ष की पहली तिमाही के दौरान 147 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 61.34 करोड़ रुपये का कर - पूर्व लाभ अर्जित किया है। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) खान मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है। नवंबर 1967 में निगमित, एचसीएल पांच विनिर्माण इकाइयों के साथ एक 'मिनीरत्न-श्रेणी I' कंपनी है। इसे परिष्कृत तांबे के खनन, सज्जीकरण (बेनेफिसिएशन), प्रगलन (स्मेल्टिंग), शोधन (रिफाइनिंग) और ढलाई (कास्टिंग) की सुविधाओं से लैस देश की एकमात्र वर्टिकली इंटीग्रेटेड कंपनी होने का गौरव प्राप्त है।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों में 1,210 करोड़ डाले

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इसी माह के पहले पांच कारोबारी सत्रों में भारतीय बाजारों में 1,210 करोड़ रुपए का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार दो से छह अगस्त के दौरान एफपीआई ने शेयरों में 975 करोड़ रुपए का निवेश किया है। ऋण या बांड बाजार में उनका निवेश 235 करोड़ रुपए रहा है। इस तरह उनका निवेश 1,210 करोड़ रुपए रहा है। जुलाई में एफपीआई ने 7,273 करोड़ रुपए निकाले थे। कोटक सिक्योरिटीज के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि बाजार कई घरेलू संकेतकों मसलन पीएमआई में सुधर, सीएमआईई सर्वे में बेरोजगारी दर में कमी तथा जीएसटी संग्रह में सुधार से उत्साहित है। हालांकि महामारी की तीसरी लहर को लेकर वैश्विक बाजारों में चिंता है। ऊंचे मूल्यांकन, तेल कीमतों में तेजी, डॉलर में मजबूती की वजह से एफपीआई भारतीय शेयरों से दूरी बना रहे हैं। बाजार अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर है। ऐसे में एफपीआई नियमित अंतराल पर मुनाफा भी काट रहे हैं। एफपीआई के लौटने से बड़ी कंपनियों के शेयरों की मांग बढ़ी है।

आरबीआई ने कर्नाटक स्थित मिलथ को-ऑपरेटिव बैंक पर प्रतिबंध बढ़ाया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्नाटक स्थित मिलथ को-ऑपरेटिव बैंक पर प्रतिबंध तीन महीने के लिए सात नवंबर तक बढ़ा दिया है। आरबीआई के एक बयान में कहा गया है कि यह विस्तार समीक्षा के अधीन है। प्रतिबंधों को आखिरी बार 8 अगस्त तक बढ़ाया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशरें के अनुसार, सहकारी बैंक, बिना किसी ऋण और अग्रिमों को लिखित रूप में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व अनुमोदन के बिना, कोई निवेश नहीं करेगा, कोई भी दायित्व नहीं उठाएगा, जिसमें धन उधार लेना और नई जमा की स्वीकृति, संवितरण या सहमत होना शामिल है। अपनी देनदारियों और दायित्वों के निर्वहन में या अन्यथा किसी भी भुगतान का संवितरण करें। बैंक कोई समझौता या व्यवस्था नहीं करेगा और अपनी किसी भी संपत्ति या संपत्ति की बिक्री, हस्तांतरण या अन्यथा निपटान नहीं करेगा। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने प्रत्येक बचत या चालू खाते या किसी अन्य जमा खाते से 1,000 रुपये की निकासी सीमा भी लगाई। प्रतिबंध पहली बार मई 2019 में लगाए गए थे और उसके बाद इसे बढ़ा दिया गया है।

वैश्विक रुख और वृहद आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख, वृहद आर्थिक आंकड़ों और कंपनियों के तिमाही प रिणामों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। सरकार इस सप्ताह जून माह के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) तथा जुलाई के मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी करेगी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह सभी की निगाह महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। हालांकि बाजार की धारणा मजबूत रहने की उम्मीद है लेकिन औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े, मुद्रास्फीति तथा विनिर्माण उत्पादन बाजार की दिशा को प्रभावित करेगा। इस सप्ताह एमआरएफ, एमटेक ऑटो, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, ल्यूपिन, आयशर मोटर्स, टाटा स्टील, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एनबीसीसी और ओएनजीसी के तिमाही परिणाम आने हैं। इस सप्ताह सभी की निगाह जुलाई के मुद्रास्फीति तथा जून के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर रहेगी। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के रुख, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपए का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा तय करेगा। इसके अलावार मानसून की प्रगति, तिमाही नतीजे तथा कोविड-19 से संबंधित घटनाक्रम भी आगामी दिनों में बाजार की दिशा तय करेंगे।

नाल्को द्वारा पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 348 करोड़ रु तक पहुंचा

नई दिल्ली।

खान मंत्रालय के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम की एक नवरत्न कम्पनी, राष्ट्रीय एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड-नालको ने वित्तीय वर्ष 2021-22 की शुरुआत मजबूत वित्तीय और वास्तविक प्रदर्शन के साथ की है। 30 जून को समाप्त हुई पहली तिमाही में शुद्ध लाभ पिछले वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त 16.63 करोड़ रुपये से बढ़कर 347.73 करोड़ रुपये हो गया है। बाजार की अपेक्षाओं को पछाड़ते हुए और चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के बीच, कंपनी ने अपने सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। कंपनी को परिचालन से 2474.55 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई है, जो 79.2 प्रतिशत की वृद्धि है। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से मजबूत मांग, उच्च उत्पादन, बेहतर प्राप्ति और कम्पनी की प्रभावी क्षमता उपयोग के कारण हुआ है। उत्पादन के मामले में, नाल्को ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। खदानों में बॉक्साइट, रिफाइनरी में एल्यूमिना और स्मेल्टर प्लांट में एल्युमीनियम का उत्पादन पिछले वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान प्राप्त संबंधित आंकड़ों से अधिक है।

वित्त वर्ष 2020-21 में पड़ोसी देशों को आठ लाख टन कोयला निर्यात किया

नई दिल्ली। भारत में मांग की तुलना में कोयले की आपू र्ति कम रहने के बावजूद बीते वित्त वर्ष 2020-21 में नेपाल सहित पड़ोसी देशों को आठ लाख टन कोयले का निर्यात किया। कोयला मंत्रालय के 2020-21 के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, इसमें से सबसे अधिक 77.20 प्रतिशत कोयले का निर्यात नेपाल को किया गया। बांग्लादेश को 13.04 प्रतिशत का निर्यात किया गया। कोयला मंत्रालय ने कहा कि भारत में मांग की तुलना में कोयले की आपूर्ति हालांकि कम रही, लेकिन इसके बाद भी पड़ोसी देशों को बीते वित्त वर्ष के दौरान कुछ कोयले का निर्यात किया गया। इसलिए देश को कोयले का आयात भी करना पड़ा। नेपाल को 6.18 लाख टन तथ बांग्लादेश को 1.04 लाख टन कोयले का निर्यात किया गया। कोयले का पर्याप्त आरक्षित भंडार होने के बावजूद हम अपने उत्पादन से मांग को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। भारत में कम राख वाले उच्च गुणवत्ता के कोयले की आपूर्ति सीमित है। ऐसे में मांग और आपूर्ति के अंतर को पूरा करने के लिए देश को कोयले विशेषरूप से कम राख वाले कोयले का आयात करना पड़ता है। वित्त वर्ष 2020-21 में देश का कच्चे कोयले का आयात 21.49 करोड़ टन या 1,16,037.2 करोड़ रुपढ रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2019-20 में 1,52,732.1 करोड़ रुपये के 24.85 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया था।

दस में से नौ प्रमुख कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.22 लाख करोड़ बढ़ा

रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली।

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंप नियों मे से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 2,22,591.01 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी रहीं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,690.88 अंक या 3.21 प्रतिशत के लाभ में रहा। पांच अगस्त को सेंसेक्स 54,717.24 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया।समीक्षाधीन सप्ताह में बजाज फाइनेंस को छोड़कर शीर्ष 10 की सूची की अन्य सभी कंपनियां रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि., आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण बढ़ा।सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 52,766.97 करोड़ रुपए बढ़कर 12,24,441.49 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 37,563.09 के उछाल के साथ 8,26,332.67 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी की 34,173.81 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 4,74,912.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गई।सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 34,011.11 करोड़ रुपए बढ़कर 13,24,341.36 करोड़ रुपए पर और कोटक महिंद्रा बैंक का 24,585.18 करोड़ रुपए के लाभ के साथ 3,52,708.11 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।इन्फोसिस की बाजार हैसियत 17,078.94 करोड़ रुपए बढ़कर 7,02,898.22 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक की 10,181.46 करोड़ रुपए के लाभ के साथ 4,83,030.92 करोड़ रुपए पर पहुंच गई।समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 8,705.23 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ और यह 5,57,111.01 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 3,525.22 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 3,88,800.70 करोड़ रुपए रहा।इस रुख के उलट बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 344.05 करोड़ रुपए घटकर 3,75,628.83 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, एसबीआई, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा।

ईडी को केवल फ्लिपकार्ट को नहीं, अमेजॉन को नोटिस भेजना चाहिए : कैट

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा नियमों के कथित उल्लंघन पर ई-कॉमर्स प्रमुख फ्लिपकार्ट और उसके संस्थापकों को नोटिस जारी किया है, ऐसे में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा है कि इसी तरह के नोटिस वॉलमार्ट समर्थित अमेजन को भी भेजा जाना चाहिए। कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा फ्लिपकार्ट को भेजा गया नोटिस एक बहुप्रतीक्षित सही कदम है। अमेजॉन और फ्लिपकार्ट दोनों अपने-अपने मार्केटप्लेस पर एक तरजीही विक्रेता प्रणाली का संचालन कर रहे हैं जो ई-कॉमर्स नीति में एफडीआई के खिलाफ है जिसके लिए लंबे समय से कैट अपनी आवाज उठा रही है। हम प्रवर्तन निदेशालय से अमेजॉन को भी इसी तरह का नोटिस भेजने की मांग करते हैं क्योंकि अमेजॉन और फ्लिपकार्ट दोनों एक ही नाव में सवार हैं। व्यापारियों के निकाय ने ईडी के इस कदम की सराहना की और कहा कि 2016-2021 के दौरान अमेजॉन और फ्लिपकार्ट दोनों द्वारा कानूनों के उल्लंघन की जांच की जानी चाहिए। खंडेलवाल ने कहा कि ईडी को न केवल भारी जुमार्ना लगाना चाहिए, बल्कि सरकार को अमेजॉन और फ्लिपकार्ट दोनों के पोर्टलों पर तब तक प्रतिबंध लगाने की सिफारिश करनी चाहिए, जब तक कि वे एफडीआई कानूनों का पालन नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स नीति में एफडीआई के तहत, विदेशी वित्त पोषित कंपनियां केवल प्रौद्योगिकी सुविधा प्रदान करने वाले बाजार के रूप में कार्य कर सकती हैं और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से माल नहीं बेच सकती हैं, जबकि ये कंपनियां इन्वेंट्री मोड में काम कर रही थीं । ईडी ने विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में फ्लिपकार्ट, उसके संस्थापकों और नौ अन्य को नोटिस जारी किया है। वित्तीय जांच एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, नोटिस में उन्होंने यह स्पष्ट करने के लिए कहा है कि विदेशी निवेश कानूनों के कथित उल्लंघन के लिए उन्हें 1.35 अरब डॉलर के दंड का सामना क्यों नहीं करना चाहिए। सूत्रों ने कहा कि फ्लिपकार्ट और उसकी सिंगापुर में एक सहित अन्य होल्डिंग फर्मों ने 2009 और 2015 के बीच विदेशी निवेश आकर्षित करते हुए विदेशी मुद्रा मैगमेनेट अधिनियम (फेमा) का उल्लंघन किया।

एप्पल आर्केड ने 200 गेम्स को पार किया : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

इस हफ्ते नए गेम के लॉन्च के साथ, एप्पल आर्केड सर्विस अब आईफोन, आईपैड और मैक यूजर्स के लिए 200 से ज्यादा गेम्स ऑफर कर रही है। इस मील के पत्थर को सबसे पहले सीएनईटी द्वारा हाइलाइट किया गया था, और यह सुपर लीप डे, सुपर स्टिकमैन गोल्फ 3 प्लस और मॉन्स्टर हंटर स्टोरीज प्लस के लॉन्च के साथ आता है और इन सभी को अब डाउनलोड किया और चलाया जा सकता है। मैकर्यूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल आर्केड को पहली बार सितंबर 2019 में लॉन्च किया गया था, इसलिए ग्राहकों को चुनने के लिए 200 टाइटल प्रदान करने में सिर्फ दो साल का समय लगा है। एप्पल आर्केड के साथ, सभी गेम मुफ्त हैं और इन-ऐप खरीदारी विकल्प या विज्ञापन नहीं हैं। सेवा की कीमत 4.99 डॉलर प्रति माह या 49.99 डॉलर प्रति वर्ष है, और उस सदस्यता मूल्य के साथ, परिवार के सभी सदस्य खेलों का उपयोग कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एप्पल किसी के लिए एक महीने का निःशुल्क परीक्षण, एप्पल डिवाइस खरीदने वालों के लिए तीन महीने का निःशुल्क परीक्षण और अक्सर लंबी परीक्षण अवधि के लिए प्रचार भी प्रदान करता है।

इडली- डोसा खाना होगा अब महंगा, रेडी-टू-कुक इडली पर लगने जा रहा है 18 प्रतिशत जीएसटी

बिजनेस डेस्क।

चूर्ण के रूप में बिकने वाले रेडी टू कुक डोसा, इडली, दलिया मिक्स जैसी खाद्य वस्तुओं आदि पर 18 प्रतिशत का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगेगा। हालांकि, बैटर के रूप में बेची जाने वाली खाद्य वस्तुओं पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत हो। अग्रिम निर्णय प्राधिकरण (एएआर) ने यह व्यवस्था दी है। कृष्णा भवन फूड्स एंड स्वीट्स ने एएआर की तमिलनाडु पीठ में एक याचिका दी थी जिसमें किसी ब्रांड नाम के तहत बेचे जाने वाले बाजरा, ज्वार, रागी और मल्टीग्रेन दलिया मिक्स जैसे 49 उत्पादों पर लागू जीएसटी दर को लेकर फैसला सुनाने की अपील की गयी थी। एएआर ने कहा कि कंपनी द्वारा बेचे जाने वाले उत्पाद चूर्ण के रूप में बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थ हैं। एएआर ने कहा कि डोसा मिक्स और इडली मिक्स को पैक करके मिक्स के रूप में बेचा जाता है जिसे पानी/उबला हुआ पानी/दही के साथ मिलाकर घोल बनाया जाता है और जो उत्पाद बेचा जाता है वह चूर्ण होता है, बैटर नहीं। वे सभी 49 उत्पाद जिनके लिए फैसला सुनाने की मांग गयी है, सीटीएच 2106 के तहत वर्गीकृत हैं और उनपर लागू होने वाली दर नौ प्रतिशत के द्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) और नौ प्रतिशत राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) है।

एसयूवी मॉडलों के जरिए घरेलू बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हुंदै

नई दिल्ली।

वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि उसे उम्मीद है कि कोरोना की दूसरी लहर के बाद व्यक्तिगत या निजी वाहनों की मांग बढ़ने के साथ वह घरेलू बाजार में अपनी पहुंच को और मजबूत कर पाएगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। उसने कहा कि विशेषरूप से कंपनी अपने एसयूवी मॉडलों के जरिये भारतीय बाजार में पैठ को मजबूत करने की तैयारी कर रही है। वेन्यू, क्रेटा, टूसॉन और हाल में पेश अल्काजार मॉडल के साथ हुंदै पहले ही देश के एसयूवी वाहन बाजार की अग्रणी कंपनी बनी हुई है। कंपनी का कहना है कि हर बीतते महीने के साथ एसयूवी बाजार में उसकी हिस्सेदारी बढ़ रही है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के निदेशक-बिक्री, विपणन, सेवा तरुण गर्ग ने कहा कि घरेलू बाजार में एसयूवी को लेकर मजबूत रुख बना हुआ है। प्रत्येक बीतते महीने के साथ घरेलू यात्री वाहन बाजार में एसयूवी की बाजार हिस्सेदारी बढ़ रही है। घरेलू बाजार में कंपनी की एसयूवी मॉडलों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। कंपनी के नए एसयूवी मॉडल अल्काजार के बाद बिक्री और बढ़ी है। इस समय शहरी के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से भी मांग आ रही है। जून में पेश अल्काजार की वजह से कंपनी की बिक्री बढ़ी है। अल्काजार की वजह से कंपनी के क्रेटा मॉडल की बिक्री प्रभावित नहीं हुई है। पिछले साल हमने हर महीने क्रेटा की 8,000 इकाइयां बेचीं। इस दौरान एसयूवी मॉडलों की कुल बिक्री 15,000 इकाई की रही। इस साल पहली तिमाही में क्रेटा की मासिक बिक्री का आंकड़ा 12,500 इकाई पर पहुंच गया है। एसयूवी की कुल बिक्री 23,800 इकाई रही है। जुलाई में एसयूवी की कुल बिक्री का आंकड़ा 24,000 इकाई को पार कर गया। उन्होंने बताया कि पिछले महीने क्रेटा की बिक्री 13,000 इकाइयों की रही। इस दौरान कंपनी ने अल्काजार की 3,000 इकाइयां बेचीं।

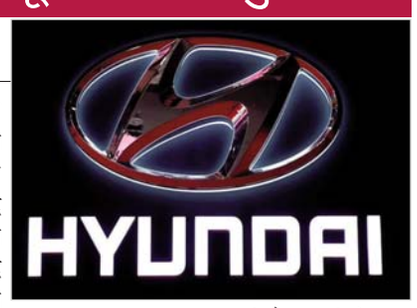

आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री का प्रबंधन करने की दौड़ में सात कंपनियां

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री का प्रबंधन करने की दौड़ में जेएम फाइनेंशियल, अनर्स्ट एंड यंग तथा डेलॉयट स हित सात कंपनियां हैं। ये कंपनियां लोक संपत्ति एवं प्रबंधन विभाग (दीपम) के समक्ष 10 अगस्त को वर्चुअल प्रस्तुतीकरण देंगी। दीपम की ओर से जारी नोटिस से यह जानकारी मिली है। आईडीबीआई बैंक की रणनीति बिक्री में सौदा सलाहकार की भूमिका के लिए डेलॉयट टच तोहमात्सु इंडियन एलएलपी, अनर्स्ट एंड यंग एलएलपी, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, केपीएमजी, आरबीएसए कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी तथा एसबीआई कैपिटल मार्केट्स ने बोली लगाई है। फिलहाल 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ आईडीबीआई बैंक में एलआईसी का प्रबंधकीय नियंत्रण है। बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 45.48 प्रतिशत है। गैर-प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 5.29 प्रतिशत है। बैंक में कितनी हिस्सेदारी का विनिवेश होना है, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। सरकार ने इस साल जून में आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के प्रबंधन के लिए प्रतिष्ठित पेशेवर सलाहकार कंपनियों, निवेश बैंकरों, मर्चेंट बैंकरों, वित्तीय संस्थानों और बैंकों आदि से बोलियां आमंत्रित की थीं। बोली जमा कराने की आ खिरी तारीख 13 जुलाई थी, जिसे बढ़ाकर 22 जुलाई किया गया है।

सेल की बंगाल इकाइयों का ब्याज-पूर्व मुनाफा 876 करोड़

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) की तीन इकाइयों ने वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में 876 करोड़ रुपए का ब्याज और कर पूर्व लाभ अर्जित किया है। समीक्षाधीन तिमाही में दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, इस्को इस्पात संयंत्र और एलॉय इस्पात संयंत्र की कुल बिक्री करीब 4,767 करोड़ रुपए रही। दुर्गापुर इस्पात संयंत्र ने तिमाही में 2,511 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की, जबकि इससे पिछले वित्त की इसी तिमाही में यह 1,279 करोड़ रुपए थी। संयंत्र ने पिछले वर्ष की समान तिमाही में 61 करोड़ रुपए के घाटे की तुलना में ब्याज और कर से पहले 635 करोड़ रुपए का लाभ कमाया। बर्नपुर में इस्को इस्पात संयंत्र ने जून तिमाही में 2,055 करोड़ रुपए का राजस्व कमाया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,470 करोड़ रुपए था। दुर्गापुर स्थित एलॉय इस्पात संयंत्र ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 201 करोड़ रुपए का कारोबार किया और कर एवं ब्याज से पहले इसका लाभ 10 करोड़ रुपए था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

7 ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले ब्रिटिश बने केनी

टोक्यो।

टोक्यो ओलंपिक 2020 की साइक्लिंग ट्रैक स्पर्धा में पुरुषों का कीरीन इवेंट ग्रेट ब्रिटेन के जेसन केनी ने अपने नाम कर लिया है। रियो ओलंपिक खेल-2016 में भी यह इवेंट जीतने वाले केनी आज स्वर्ण जीतने के साथ ही 7 ओलंपिक स्वर्ण पदक अपने नाम करने वाले पहले ब्रिटिश एथलीट बन गए हैं। केनी ने रजत पदक जीतने वाले मलेशिया के मोहम्मद अजीजुलहसीन अवांग को प्लस0.763 सेकेंड के अंतर से पछाड़ा। कांस्य पदक नीदरलैंड्स के हैरी लेवरेसेन के नाम रहा। सूरीनाम के लिए बार्सिलोना ओलंपिक खेल-1992 के बाद पहला ओलंपिक पदक जीतने की आशा लगा रहे जेयर टिजोन एन फा चौथे स्थान पर रहे।

भारतीय हॉकी टीमों ने हासिल की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

नई दिल्ली।

टोक्यो ओलंपिक 2020 में एक स्वप्निल अभियान के बाद भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने अपनी सर्वोच्च एफआईएच विश्व रैंकिंग हासिल कर ली है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम, जिसने टोक्यो में कांस्य पदक जीतकर 41 साल के पदक के सूखे को समाप्त किया, बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया के बाद अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ की विश्व रैंकिंग में क्रमशः तीसरे स्थान पर पहुंच गई जबकि, भारतीय महिला हॉकी टीम नवीनतम एफआइएच विश्व रैंकिंग के अनुसार 8वें स्थान पर पहुंच गई है। इस उपलब्धि से पहले, मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम की करियर-उच्च रैंकिंग नंबर-4 थी, जिसे उन्होंने मार्च 2020 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2020 के दूसरे संस्करण के पहले तीन राउंड में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर हासिल किया था। दूसरी ओर, भारतीय महिला टीम की अब तक की सर्वोच्च विश्व रैंकिंग 9वीं थी, जिसे उन्होंने चार दशकों में विटैलिटी हॉकी महिला विश्व कप लंदन 2018 में अपना सर्वश्रेष्ठ फिनिश (क्वार्टर फाइनल) कर पूरा किया था। विश्व कप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के बाद, भारतीय टीम शीर्ष क्रम की एशियाई टीम बन गई और जकार्ता पालेमबांग 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक हासिल किया। दोनों टीमों ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद अपनी सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की। मनप्रीत एंड कंपनी पूल ए में ग्रुप चरण के पांच मैचों में से चार मैच जीतकर दूसरे स्थान पर रही और क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 3-1 से हराया लेकिन सेमीफाइनल में बेल्जियम से 5-2 से हार गई। उसने हालांकि ओलंपिक खेलों में ऐतिहासिक कांस्य पदक हासिल

करने के लिए जर्मनी पर 5-4 से जीत की। महिला टीम को शुरूआती मैचों में तीन हार का सामना करना पड़ा था। यकीनन सबसे बड़ा उलटफेर उस समय हुआ जब वह क्वार्टर फाइनल में पहुंची और विश्व नंबर 3 ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया। रानी एंड कंपनी क्रमशः अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ सेमीफाइनल और कांस्य पदक प्ले-ऑफ मैच दोनों हार गई। इस तरह, 2020 के टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने से भारत की महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में 8वें स्थान पर पहुंच गई।

ओलंपिक (बास्केटबॉल) : अमेरिकी महिलाओं ने जीता लगातार सातवां स्वर्ण पदक

टोक्यो।

अमेरिकी महिला बास्केटबॉल टीम ने रविवार को मेजबान जापान को हराते हुए टोक्यो ओलंपिक का स्वर्ण पदक जीत लिया है। यह अमेरिका के लिए लगातार सातवां ओलंपिक खिताब है। अमेरिका के पुरुषों ने भी इस साल ओलंपिक गोल्ड जीता है। अमेरिकी महिलाओं ने 1976 में इस खेल को ओलंपिक मे शामिल होने के बाद से 9 स्वर्ण जीते हैं। साएतामा सुपर एरेना में हुए फाइनल मुकाबले का अंतिम स्कोर 90-75 से अमेरिका के पक्ष में रहा। जिसमें ब्रिटनी ग्रिनर ने 30 अंक बनाए। ब्रेना स्टीवर्ट ने 14 अंक बनाए जबकि एजा विल्सन के खाते में 19 अंक आए। जापान के लिए माकी तागादी ने 17 तथा नाको मोतोहाशी ने 16 अंक जुटाए। अमेरिकी टीम 1996 से लगातार ओलंपिक चैम्पियन रही है। इससे पहले 1984 और 1988 में भी उसके नाम स्वर्ण था। 1976 में उसने रजत और 1992 में कांस्य जीता था। अमेरिका ने 1980 के मास्को ओलंपिक का बहिष्कार किया था। जापान भले ही फाइनल मुकाबले में अमेरिका से हार गया, लेकिन उसके हिस्से में आया रजत पदक भी ऐतिहासिक है। ये जापान का बास्केटबॉल में पहला ओलंपिक पदक है। रजत पदक मेजबान जापान के लिए भी सबसे अच्छा परिणाम है, जिसका पिछला सर्वश्रेष्ठ-पांचवां स्थान, कनाडा में 1976 के मॉन्ट्रियल में आया था। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह एशियाई महिला बास्केटबॉल में दूसरे स्थान के रूप में सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक परिणाम भी है। इससे पहले चीन ने 1992 में रजत पदक जीता था।

ओलंपिक (वॉलीबॉल) : अमेरिका ने ब्राजील को हराकर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो। अमेरिका ने रविवार को यहां महिला वॉलीबॉल फाइनल में ब्राजील को 3-0 से हराकर अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। बीजिंग 2008 और लंदन 2012 में लगातार दो बार ओलंपिक फाइनल में ब्राजील से हारने वाली अमेरिकी महिलाओं को आखिरकार ब्राजील को 25-21, 25-20 और 25-14 से हराकर पहली बार ताज पहनने का गौरव हासिल किया। एंड्रिया ड्रूज 15 अंकों के साथ अमेरिका की सबसे सफल खिलाड़ी रहीं जबकि इसके अलावा मिशेल बार्टश-हैकले और लार्सन ने क्रमशः 14 और 12 अंक जोड़े। तंदरा कैक्सेटा के बिना खेलना, जिन्हें संभावित डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था, ब्राजील का नेतृत्व फर्नांडा रोड्रिग्स ने किया। फर्नाडा ने सबसे अधिक 11 अंक जुटाए।

भारत में अमेरिकी दूतावास ने ओलंपिक में भारत की सफलता का जश्न मानाया

नई दिल्ली।

भारत में स्थित अमेरिकी दूतावास ने रविवार को अपने ट्विटर पेज पर भारत के सात ओलंपिक पदक विजेताओं की फोटो पोस्ट की और संदेश लिखकर इनकी सफलताओं का जश्न मनाया।अमेरिकी दूतावास ने ट्वीट कर लिखा, ओलंपिक दुनिया को खेल में एक साथ लाते हैं। टोक्यो ओलंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन और अपनी सर्वश्रेष्ठ पदक तालिका के लिए टीम इंडिया को बधाई। आप सभी सच्चे चैंपियन हैं। टीम इंडिया का जश्न मनाने के लिए हम आज अपने पेज पर टोक्यो 2020 के पदक विजेताओं को हाइलाइट कर रहे हैं। अमेरिका ने ओलंपिक में 39 स्वर्ण, 41 रजत और 33 कांस्य सहित 113 पदक जीते जबकि भारत एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक सहित सात पदकों के साथ 48वें नंबर पर रही। अमेरिकी दूतावास ने ट्वीट कर लिखा, पीवी सिंधु ने दो ओलंपिक पदक जीत पहली भारतीय महिला एथलीट बनकर इतिहास रचा। भारोत्तोलक मीराबाई चानू के लिए दूतावास ने लिखा, मीराबाई ने ओलंपिक के पहले ही दिन रजत पदक जीता और इतिहास रचा। वह पहली भारतीय भारोत्तोलक हैं जिन्होंने ओलंपिक में रजत पदक जीता है।

मीराबाई को बधाई, आप सच्ची प्रेरणास्रोत्र हैं।भाला फेंक एथलीट और स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा के लिए लिखा, ओलंपिक गोल्ड फॉर इंडिया। पानीपत के इस लड़के ने जश्न मनाने को गर्व करने का मौका दिया। दूतावास ने टोक्यो ओलंपिक खेलों के उद्घाटन के दिन भारतीय दल के मार्च करते हुए की एक तस्वीर भी पोस्ट की।

संक्षिप्त समाचार

ओलंपिक (मैराथन): केन्या के एलियुड किपचोगे ने अपना खिताब बरकरार रखा

टोक्यो। केन्या के एलियुड किपचोगे ने दो घंटे आठ मिनट और 38 सेकेंड के समय में साप्पोरो ओडोरी पार्क में फिनिश लाइन को पार करते हुए ओलंपिक पुरुष मैराथन खिताब अपने पास ही बरकरार रखा। अपने चौथे ओलंपिक में दौड़ रहे किपचोगे ने अपने 2016 के रियो ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रदर्शन की तुलना में बेहतर समय निकाला। किपचोगे ने अपना दूसरा ओलंपिक स्वर्ण जीतने के बाद कहा, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है, खासकर इस समय। पिछला साल काफी कठिन था जब ओलंपिक खेलों टोक्यो 2020 को स्थगित कर दिया गया था। मैं स्थानीय आयोजन समिति के लिए खुश हूं जिसने इस आयोजन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। यह एक संकेत है जो दुनिया को दिखाता है कि हम सही दिशा में जा रहे हैं। 2004 के एथेंस ओलंपिक में कांस्य और 2008 बीजिंग खेलों में 5000 मीटर में रजत के विजेता किपचोगे ने 2016 रियो ओलंपिक मैराथन स्वर्ण जीता था। किपचोगे अब उन चुनिंदा धावकों के क्लब में शामिल हो गए हैं जिन्होंने ओलंपिक मैराथन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया है। अन्य इथियोपिया के अबेबे बिकिला (1960 और 1964) और पूर्वी जर्मनी के वाल्डेमर सिएरपिंस्की (1976 और 1980) हैं। किपचोगे ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने दूसरी बार मैराथन जीतकर विरासत को पूरा किया है। मुझे उम्मीद है कि अब अगली पीढ़ी को प्रेरित करने में मदद मिलेगी। किपचोगे अगले निकटतम फिनिशर से एक मिनट 20 सेकंड आगे थे। 1972 के बाद से ओलंपिक मैराथन में केन्याई की जीत का अंतर सबसे बड़ा है जब अमेरिका के फ्रैंक शॉर्टर ने म्यूनिख में बेल्जियम के कारेल लिस्मोंट को दो मिनट और 12 सेकेंड के अंतर से हराया था। रविवार को यहां रजत और कांस्य की दौड़ स्प्रिंट पर समाप्त हुई। नीदरलैंड के आब्दी नगेई ने अपने प्रशिक्षण साथी, बेल्जियम के बशीर आब्दी और केन्या के लॉरेंस चेरोनो को हराकर 2:09:58 घंटे के समय में रजत जीता। 2019 में बोस्टन और शिकागो मैराथन के विजेता बशीर ने दो सेकेंड बाद फिनिश लाइन को छुआ और 2:10:00 घंटे समय के साथ कांस्य पदक जीता।

कांस्य के लिए पहलवान बजरंग पुनिया ने घुटने की गंभीर चोट के बावजूद जोखिम उठाया

मुंबई।

ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के लिए पहलवान बजरंग पुनिया ने कजाखस्तान के दाउलेत नियाजबेकोव के साथ मुकाबला घुटने में दर्द के साथ खेला और गंभीर चोट का जोखिम उठाया।

बजरंग ने ओलंपिक के पहले तीन बाउट, राउंड-16, क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल के मुकाबले चोटिल घुटने के साथ खेला। शनिवार को, उन्होंने अपने कोचों की आपत्तियों को खारिज कर दिया और कजाख पहलवान के खिलाफ कांस्य पदक मैच के लिए सुरक्षा प्राप्त करने से इनकार कर दिया क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी गतिविधियों को प्रतिबंधित किया जाए और वह पदक की दौड़ से बाहर हो जाएं। बजरंग ने कहा, पदक जीतना जरूरी था। पहले तीन बाउट में मैंने घुटने को सुरक्षित किया। कांस्य पदक का मैच टोक्यो में मेरा आखिरी मुकाबला था और मैंने जोखिम उठाया। मैंने फिजियो को घुटने में स्ट्रैप करने नहीं दिया। वह खुश नहीं थे लेकिन मैंने उन्हें कहा कि मैं नहीं चाहता था कि मेरी गतिविधियों को प्रतिबंधित किया जाए क्योंकि कांस्य पदक ज्यादा जरूरी था। बजरंग से पहले केडी जाधव (हेलसिंकी 1952), सुशील कुमार (बीजिंग 2008 और लंदन 2012), योगेश्वर दत्त (लंदन 2012) और साक्षी मलिक (रियो 2016) में भारत के लिए कांस्य पदक जीता था। बजरंग भी ओलंपिक में पदक हासिल करने वालों की सूची में शामिल हो गए लेकिन उन्हें इसके लिए भारी जोखिम उठाया। बजरंग के घुटने में पिछले महीने रूस में अली अलियेव मेमोरियल टूर्नामेंट के दौरान चोट लगी थी। ओलंपिक से पहले वह 20 दिनों तक मैच से दूर रहना पड़ा था। बजरंग ने कहा, मैट से 20-25 दिन दूर रहने से मेरी तैयारियों पर असर पड़ा। टोक्यो में मैं स्वतंत्र तरीके से बाउट में मूव नहीं कर पा रहा था क्योंकि मुझे घुटने को सुरक्षित करना पड़ रहा था। लेकिन अंतिम मैच में

उनका ध्यान पदक जीतने पर था, इसलिए मैंने जोखिम लिया क्योंकि इसके बाद टोक्यो में मेरा कोई बाउट नहीं था। बजरंग ने कहा कि वह स्वदेश लौटने के तुरंत बाद पुनर्वसन में जाएंगे और बाद में अगले साल एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की योजना बनाने के लिए अपने कोचों और सहयोगी स्टाफ के साथ बैठेंगे।

एफसी बार्सिलोना से विदाई लेते वक्त भावुक हुए मैसी

बार्सिलोना। अर्जेंटीना और स्पेनिश फुटबॉल क्लब एफसी बार्सिलोना के लेजेंड खिलाड़ी लियोनल मैसी रविवार को फेयरवेल प्रेस कांफ्रेंस के दौरान भावुक हो गए। 34 वर्षीय स्ट्राइकर करीब दो दशक से ज्यादा बिताने के बाद क्लब से अलग हो रहे हैं और उनका करार एक जुलाई को ही खत्म हो गया था। बार्सिलोना के अध्यक्ष जोआन लापोर्ता ने कहा, हमारे बीच दो महीने से ज्यादा समय तक चर्चा चली और यह अब खत्म हो गई है। हम मैसी को अपने साथ नहीं रख पाए क्योंकि हमारे बिल में वह फिट नहीं बैठ रहे हैं। मैसी ने ला लीगा के 10, चैंपियंस लीग के चार और बालोन डी ओर का खिताब छह बार जीता है। प्रेस कांफ्रेंस में मैसी ने बताया कि वह क्लब के साथ बने रहना चाहते थे और उन्होंने इसके लिए हर संभव कोशिश की। मैसी ने कहा, मुझे नहीं पता यहां क्या कहूं। हाल के दिनों में मैंने कई बार सोचा कि क्या कहूं और सच यह है कि मैं ज्यादा कुछ नहीं सोच रहा हूं। इतने वर्षो तक यहां रहने के बाद यह फैसला लेना मेरे लिए कठिन था। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं इसके लिए तैयार नहीं था। इस साल मैं और मेरा परिवार इस बात पर सहमत था कि मैं यहीं अपने घर पर रहूंगा। जो समय मैंने इस शहर में बिताया वो शानदार रहा लेकिन आज मैं गुडबाय कर रहा हूं। मैसी ने कहा, मैं यहां वर्षो तक रहा हूं, जब मैं 13 साल का था। 21 साल के बाद मैं अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ यहां से जा रहा हूं। मैं यह नहीं कह सकता कि कुछ वर्षो में हम यहां वापस नहीं आएंगे क्योंकि यह हमारा घर है और मैंने अपने बच्चों से वादा किया है।

इटली के टेनिस खिलाड़ी ने किया नियमों का उल्लंघन, टूर्नामेंट से किया बाहर

टोरंटो । इटली के एक खिलाड़ी को कोविड-19 से जुड़े जैव सुरक्षित वातावरण का उल्लंघन करने के कारण टोरंटो में चल रहे एक टेनिस टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। टेनिस कनाडा और एटीपी पुरुष टूर ने शनिवार को घोषणा की कि विश्व में 60वें रैंकिंग के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी को नेशनल बैंक ओपन में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने जून में ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों में पदार्पण करते हुए फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई थी। चौथे दौर के मैच में उन्होंने यहां तक एक समय विश्व के नंबर एक नोवाक जोकोविच पर 2 सेट की बढ़त बना रखी थी। जोकोविच ने हालांकि मैच में वापसी की और जब मुसेटी ने पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण हटने का निर्णय किया था तब सर्बियाई खिलाड़ी 6-7 (7), 6-7 (2), 6-1, 6-0, 4-0 से जीत के करीब था। नेशनल बैंक ओपन में मुसेटी की जगह मैक्स पुरसेल को जगह दी गई है।

टोक्यो में अदिति के प्रदर्शन से गोल्फ में सकारात्मक बदलाव आएगा : लाहिड़ी

टोक्यो।

शीर्ष भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी, जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक खेलों में पुरुषों की स्पर्धा में संयुक्त रूप से 42वां स्थान हासिल किया था, ने कहा है कि महिला गोल्फर अदिति अशोक का शनिवार को चौथे स्थान पर रहने का शानदार प्रयास एक नई उपलब्धि लेकर आया है और उनकी इस सफलता से इस खेल के बारे में लोगों के रवैये में बदलाव होना तय है।।

भारत ने कुछ शीर्ष गोल्फर पैदा किए हैं, जिन्होंने दुनिया भर के टूर्स में खेला और जीता है। भारत में गोल्फ को अभी भी एक अभिजात्य खेल माना जाता है और लाहिड़ी ने कहा कि टोक्यो में 23 वर्षीय अदिति के प्रदर्शन से देश में खेल के पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक बदलाव आना चाहिए। दुनिया की 200वें नंबर की खिलाड़ी अदिति ने फाइनल राउंड में 3 अंडर 68 का कार्ड बनाकर 15-अंडर का संयुक्त स्कोर दर्ज किया और एक शॉट से पदक के स्थान से चूक गईं। भारत के नंबर-1 पुरुष गोल्फर लाहिड़ी ने अदिति के प्रदर्शन की सराहना की और कहा, मुझे उम्मीद है कि यह लोगों के रवैये में बदलाव लाएगा और गोल्फ एक खेल के रूप में भारत में किसी भी अन्य ओलंपिक खेल की तरह विकसित हो सकता है। लाहिड़ी ने ओलम्पिक डॉट कॉम से कहा, अदिति के लिए सबसे बड़ी जीत यह है कि अब बहुत से भारतीय जानते हैं कि गोल्फ क्या है, यह कैसे काम करता है। और फिर, वास्तव में भारत में गोल्फ को मानचित्र पर रखते हुए, मुझे लगता है कि यह वास्तव में गोल्फ के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है।लाहिड़ी ने कहा कि टोक्यो में अदिति का फाइनल राउंड देखने के लिए बड़ी संख्या में भारतीय शनिवार को जल्दी उठ गए, यह खेल के लिए एक बड़ी जीत थी। लाहिड़ी ने महसूस किया कि अदिति का प्रदर्शन पूरी पीढ़ी को इस खेल को अपनाने और बड़े मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा। वह बोले, मुझे लगता है कि यह शानदार है। अदिति ने

बिल्कुल अविश्वसनीय गोल्फ खेला। उन सभी चुनौतियों को देखते हुए जिनका उन्हें सामना करना पड़ा। प्रतियोगिता, मंच को देखते हुए बहुत सारे लोग चाहते थे कि वह अच्छा करे।

पंजाब सरकार की उपेक्षा का शिकार हुई महिला हॉकी खिलाड़ी गुरजीत

अमृतसर । भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन किया। टीम भले ही पदक नहीं जीते पायी हो पर उसके प्रदर्शन की सभी ने तारीफ की है। इसके बाद भी पंजाब सरकार ने ओलंपियन गुरजीत कौर को कोई इनाम नहीं दिया है। वहीं हरियाणा ने ओलंपिक टीम में शामिल नौ महिला हॉकी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए अपने-अपने स्तर पर 50-50 लाख रुपया उपहार के रूप में देने की घोषणा करके उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है पर पंजाब सरकार ने गुरजीत के लिए कोई भी घोषणा नहीं की है जो निराशानक बात है। वहीं गुरजीत ने कहा कि उन्हें कुछ भी बोलने की जरूरत नहीं है क्योंकि उन्होंने राज्य का नाम रोशन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पूरा दमखम लगाकर पदक जीतने के प्रयास किये। वहीं गुरजीत के पिता सतनाम सिंह का कहना है कि सरकार को कम से उनकी बेटी को डीएसपी की नौकरी देकर सम्मानित करना चाहिए, क्योंकि गुरजीत के खेल प्रदर्शन की हर तरफ सराहना हो रही है। उसने पंजाब का नाम ऊंचा किया है। लीग के दो मैचों के साथ-साथ क्वार्टर फाइनल के बाद सेमीफाइनल व कांस्य पदक के मैच में भी गुरजीत ने गोल दागे थे। वह भारत की ओर से सबसे ज्यादा चार गोल दागने वाली खिलाड़ी भी रहीं।

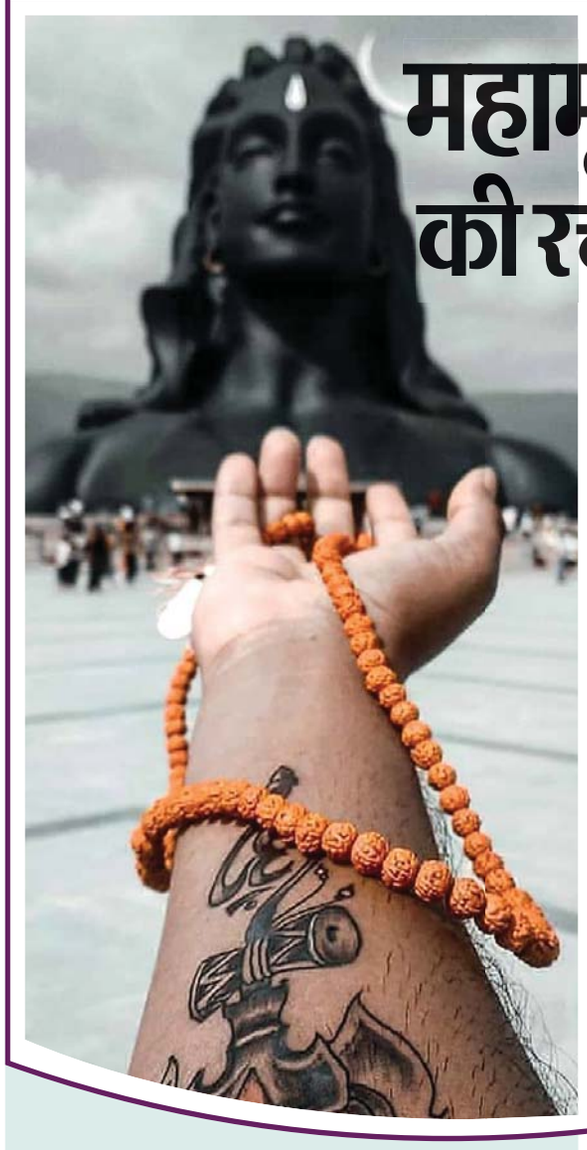

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए.यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए.पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। सा थ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

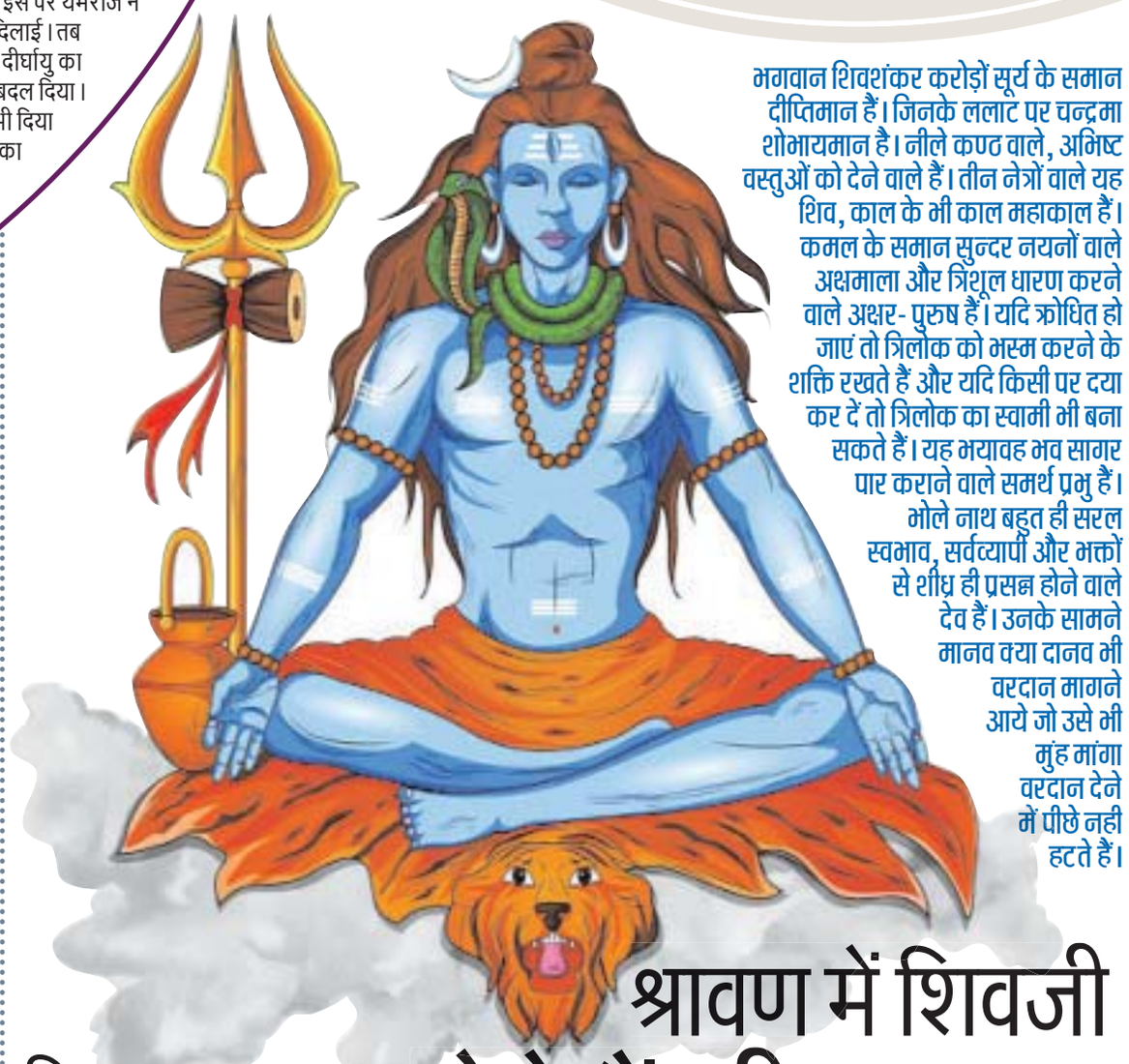

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

9 अगस्त : श्रावण मास का तीसरा सोमवार, शुभ मुहूर्त, संयोग, पूजाविधि

हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास का तीसरा सोमवार 09 अगस्त 2021 को है। इसी दिन श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि भी है। ज्ञात हो कि श्रावण मास में सोमवार का विशेष महत्व माना गया है और अब तक दो सोमवार बीत चुके हैं। 9 अगस्त को श्रावण न तीसरा सोमवार मनाया जाएगा। इस दिन कर्क राशि में चंद्रमा और सूर्य की युति बनेगी, वहीं सिंह राशि में तीन ग्रहों की युति बन रही है। श्रावण सोमवार को सिंह राशि में शुक्र, मंगल और बुध ग्रह एक साथ विराजमान रहेंगे। इस दिन आश्लेषा नक्षत्र और चंद्रमा का गोचर कर्क राशि में होगा।

श्रावण मास में सोमवार के दिन पूजन के समय राहु काल का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि ज्योतिष शास्त्र में राहु काल को अशुभ योग माना गया है और अशुभ योग में पूजन और शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं।

पंचांग के अनुसार श्रावण के तीसरे सोमवार, यानी 09 अगस्त 2021 को राहु काल का समय- प्रात: 07.26 मिनट से प्रात: 09.53 मिनट तक रहेगा। सोमवार के दिन अभिजीत मुहूर्त- प्रात: 11.59 मिनट से दोपहर 12.53 मिनट तक है।

इन दिनों चातुर्मास चल रहा है और श्रावण चातुर्मास का पहला मास है। इस संबंध में मान्यता है कि जब भगवान विष्णु का शयन काल के लिए पाताल प्रस्थान करते हैं तो पृथ्वी की बागड़ोर भगवान शिव को सौंप देते हैं। चातुर्मास का प्रथम महीना श्रावण में भगवान शिव, माता पार्वती के साथ पृथ्वी लोक का भ्रमण करते हैं और शिव-पार्वती अपने भक्तों की पूजा-अर्चना से प्रसन्न होकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

श्रावण सोमवार की सरल पूजन विधि-

* श्रावण सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में सोकर उठें।
* पूरे घर की सफाई कर स्नानादि से निवृत्त हो जाएं।
* गंगा जल या पवित्र जल पूरे घर में छिड़कें।
* घर में ही किसी पवित्र स्थान पर भगवान शिव की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।
* पूरी पूजन तैयारी के बाद निम्न मंत्र से संकल्प लें-

'मम क्षेमस्थैर्यविजयारोग्यैश्वर्याभिवृद्धयर्थं सोमव्रतं करिष्ये'

* इसके पश्चात निम्न मंत्र से ध्यान करें-

'ध्यायेन्नित्यंमहेशं रजतगिरिनिभं चारुचंद्रावतंसं रत्नाकल्पोज्ज्वलांग परशुमृगवराभीतिहस्तं प्रसन्नम्?। पद्मासीनं समंतात्स्तुतममरगणैर्व्याघ्रकृत्तिं वसानं विश्वाद्यं विश्ववंद्यं निखिलभयहरं पंचवक्त्रं त्रिनेत्रम्॥

* ध्यान के पश्चात 'ऊं नम: शिवाय' से शिवजी का तथा 'ऊं शिवायै' नम:' से पार्वतीजी का षोडशोपचार पूजन करें।
* पूजन के पश्चात व्रत कथा सुनें।
* तत्पश्चात आरती कर प्रसाद वितरण करें।
* इसके बाद भोजन या फलाहार ग्रहण करें।

इसके अलावा श्रावण मास में शिवालयों में शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया जाता है। बहुत से लोग रुद्राभिषेक तो छोड़िए जलाभिषेक के समय भी नियमों का पालन नहीं करते हैं। विधिवत रूप से किए गए रुद्राभिषेक से ही भगवान शिव प्रसन्न होकर भक्तों को मनचाहा वरदान देते हैं।

मंत्र

- ऊँ सौं सोमाय नम:
- ऊँ नम: शिवाय
- ऊँ नमो भगवते रुद्राय।

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिवाज्रक है अर्थात जगह जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

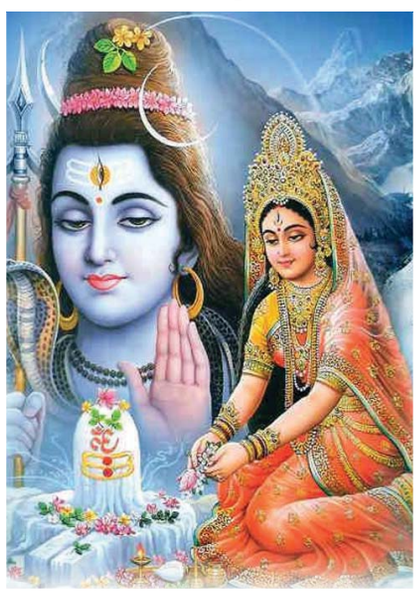

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्त्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचने के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए।
शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए।
ओम नम: शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं।शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

●इमरती ●खीर ●मावा लड्डू ●ड्रायफ्रूट्स ●रबड़ी ●मालपुए ●खोपरापाक ●बूंदी के लड्डू ●बर्फी ●बेसन के व्यंजन ●कलाकंद ●मैसूर पाक ●रसमलाई ●पेड़ा ●घेवर ●सतू की मिठाई ●हलवा ●पेठा ●गुलाब जामुन ●जलेबी ●रसगुल्ला।

इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है।

शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नम: श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुभ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृष्णवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सऊदी विदेश मंत्री ने यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के नए विशेष दूत की नियुक्ति का स्वागत कियो

रियाद । सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रंडबर्ग की नियुक्ति का स्वागत किया है। शनिवार को ट्विटर पर मंत्री ने कहा, मैं यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत के रूप में हंस ग्रंडबर्ग की नियुक्ति का स्वागत करता हूं। हम उनकी नई भूमिका में उनकी सफलता की कामना करते हैं और उनके साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। राज्य एक राजनीतिक समाधान तक पहुंचने के सभी प्रयासों का समर्थन करना जारी रखेगा जो यमन में शांति और समृद्धि लाने में मदद करता है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रंडबर्ग ने मार्टिन ग्रिफिथ्स का स्थान लिया है, जिन्हें मानवीय मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। मार्च में, सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में यमनी सरकार के समर्थन में हौथी मिलिशिया के खिलाफ युद्ध का अपना छठा वर्ष पूरा किया। 22 मार्च को, सऊदी अरब ने यमनी संकट को समाप्त करने के लिए एक पहल की घोषणा की। इस पहल में संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में यमन में व्यापक संघर्ष विराम शामिल है। यह उन पहलों की एक श्रृंखला का हिस्सा था जिन्हें मिलिशिया ने वर्षों से खारिज कर दिया था।

आयरलैंड में जोरदार टीका कैंपेन के बावजूद तेजी से नए कोविड मामले सामने आए

डबलिन। उच्च टीकाकरण दर प्राप्त करने के बावजूद, आयरलैंड के दैनिक कोविड -19आंकड़ो ने संक्रमण की वर्तमान लहर के टूटने के बाद से एक और रिकॉर्ड बनाया है। समाचार एजेंसी ने स्वास्थ्य विभाग के हवाले से बताया कि शनिवार को आयरलैंड में कोरोना के 1,828 नए पुष्ट मामले सामने आए। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, यह लगातार दूसरा दिन है जब आयरलैंड ने मौजूदा लहर में रिकॉर्ड उच्च मामलों की सूचना दी। स्वास्थ्य विभाग के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोनन ग्लिन ने कहा कि आयरलैंड में 14-दिवसीय घटना दर बढ़कर 386 प्रति 100,000 जनसंख्या हो गई है, जो कि फरवरी की शुरूआत से सबसे अधिक है। आयरलैंड में दैनिक मामलों की संख्या जुलाई के मध्य में पांच महीने से अधिक समय में पहली बार 1,000 के स्तर को पार करने के बाद, लगातार 22 दिनों तक उस आंकड़े से ऊपर रहा है। 26 जुलाई को समाप्त सप्ताह में, आयरलैंड ने 9,000 से अधिक पुष्ट मामलों की सूचना दी, जो संक्रमण की पहली और दूसरी लहर में दर्ज उच्चतम साप्ताहिक संख्या से कहीं अधिक है, जो पिछले साल अप्रैल और अक्टूबर में देश में आई थी। आयरलैंड में कोरोना मामलों में तेजी ऐसे समय में आई है जब देश ने कोविड -19 के खिलाफ आबादी का टीकाकरण करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। कोविड19 पर कैबिनेट कमेटी ने कहा कि आयरलैंड में सभी आयु समूहों में (कोविड -19 वैक्सीन का) स्तर अंतरराष्ट्रीय तुलना से अधिक है।

इजराइल के साथ किसी भी युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार : हिज्बुल्लाह

बेरुत। हिजबुल्लाह नेता सैय्यद हसन नसरल्लाह ने कहा है कि लेबनानी शिया आंदोलन किसी इजरायली युद्ध से नहीं डरता और वह इसके लिए पूरी तरह तैयार है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने नसरल्लाह के हवाले से कहा, हम युद्ध के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और हमें यकीन है कि हम इसे जीतेंगे। पिछले दो दिनों में लेबनान और इजराइल के बीच रॉकेट के आदान-प्रदान के बाद नसरल्लाह की टिप्पणी आई है। हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में गुरुवार को इजरायल के हवाई हमले के जवाब में कब्जे वाले शेबा फार्म में इजरायल के ठिकानों के खिलाफ शुक्रवार को रॉकेट दागे।

यमन के मारिबो में 45 हौथी विद्रोही मारे गए

सना। पिछले 24 घंटों में तेल समृद्ध प्रांत मारिब में यमनी सरकार की सेना के साथ जमीनी संघर्ष में, सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा कई हवाई हमलों में कम से कम 45 हौथी विद्रोही मारे गए। सैन्य सूत्रों ने इस खबर की पुष्टि की है। मारिब के एक सूत्र ने शनिवार को समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि पश्चिमी जिले सिरवाह में, हवाई हमले में एक विद्रोही अस्थायी संचालन कक्ष को निशाना बनाया गया, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि सिरवाह के दक्षिण में स्थित राहाबा जिले में, हवाई हमले में विद्रोही लड़ाकों को ले जा रहे कई पिकअप वाहन नष्ट हो गए, जिसमें 20 से अधिक लोग मारे गए। एक अन्य सैन्य सूत्र ने कहा कि सेना ने राहाबा जिले में अल-बयाद और अल-अबजख के पहाड़ों में अपनी स्थिति पर तीन दिशाओं से हूती विद्रोहियों द्वारा शुरू किए गए एक भीषण हमले को विफल कर दिया। उन्होंने सिन्हुआ को बताया कि 13 विद्रोही जमीन पर मारे गए, जबकि दर्जनों भाग गए। दोनों रणनीतिक पहाड़ों और राहाबा जिले के अधिकांश हिस्सों पर पिछले हफ्ते सेना ने कब्जा कर लिया था।

महामारी के बीच 10 लाख से ज्यादा अमेरिकी बच्चों ने स्कूलों में नहीं लिया दाखिला

वाशिंगटन। अमेरिका में 10 लाख से अधिक बच्चों ने स्कूलों में दाखिला नहीं लिया है। इसमें किंडरगार्टन में सबसे तेज गिरावट के साथ 340,000 से ज्यादा छात्र हैं, क्योंकि देश में कोविड-19 महामारी का कहर जारी है। एक मीडिया रिपोर्ट में ये बात सामने आई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शनिवार को प्रकाशित द न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि जिन बच्चों के स्थानीय स्कूलों में दाखिला लेने की उम्मीद थी, वे या तो व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन नहीं आए, और लापता छात्र छोटी कक्षाओं में केंद्रित थे। नामांकन के विश्लेषण के अनुसार 70,000 33 अमेरिकी राज्यों में पब्लिक स्कूल रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वास्थ्य देखभाल और आय में भारी असमानताओं को ट्रिगर करने के अलावा, महामारी ने शिक्षा में असमानताओं को कठोर कर दिया, कुछ सबसे कमजोर छात्रों को कक्षा में एक दिन भी बिताने से पहले वापस स्थापित कर दिया।

अमेरिका में फिर पैर पसारने लगा कोरोना, संक्रमण के औसतन एक लाख नए मामले दर्ज

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में शनिवार को कोविड-19 के एक लाख से अधिक नए मामले सामने आए। इससे पहले, सर्दियों में इतने अधिक मामले आए थे। इन मामलों के पीछे वजह वायरस का बेहद संक्रामक डेल्टा स्वरूप है और एक अन्य कारण दक्षिण में टीकाकरण दर कम होना है। स्वास्थ्य अधिकारियों को डर है कि यदि और अमेरिकी टीका नहीं लगवाएंगे तो मामले, अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या और मौत के आंकड़ों में लगातार वृद्धि हो सकती है। देश में 50 फीसदी लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है और 70 प्रतिशत से अधिक वयस्क आबादी को कम से कम एक टीका लग चुका है।

रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के निदेशक रोशेल वालेन्स्की ने इस हफ्ते सीएनएन से कहा, ''हमारे मॉडल दिखाते हैं कि अगर हम लोगों को टीके नहीं लगाते हैं तो एक दिन में हजारों मामले सामने आ सकते हैं जो जनवरी में संक्रमण के चरम पर पहुंचने के समय रहे मामलों के बराबर हो सकते हैं।'' देश में जून के अंत से ही हर दिन औसतन 11,000 मामले सामने आ रहे है। अब यह संख्या 1,07,143 हो गई है। अमेरिका में नौ महीने के अंतराल के बाद नवंबर में दैनिक औसत मामलों का आंकड़ा 1,00,000 पहुंच गया था। जनवरी की शुरुआत तक रोजाना के मामले करीब 2,50,000 पर पहुंच गए थे।

अस्पताल में भर्ती मरीजों की और मरने वालों की संख्या भी बढ़ रही है, हालांकि जनवरी के मुकाबले ये दोनों आंकड़े अभी कम हैं लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि तब टीके इतने व्यापक तरीके से उपलब्ध नहीं थे। अभी कोविड-19 से पीड़ित 44,000 से अधिक लोग अस्पतालों में भर्ती हैं और सीडीसी के मुताबिक इनमें एक हफ्ते में 30 फीसदी की वृद्धि हुई है और जून के मुकाबले ये आंकड़े चार गुना बढ़ गए हैं। जनवरी में 1,20,000 से अधिक लोग अस्पतालों में भर्ती थे। जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के मुताबिक सात दिन के औसत के हिसाब से शुक्रवार को एक दिन के भीतर औसतन करीब 500 लोगों की मौत हुई। दो सप्ताह पहले यह आंकड़ा करीब 270 मृत्यु का था। जनवरी में यह आंकड़ा प्रतिदिन 3,500 था।

दक्षिण हिस्से में स्थिति खासतौर पर बिगड़ी हुई है जहां टीकाकरण दर सबसे कम है। सीडीसी के मुताबिक दक्षिण पूर्व क्षेत्र में

अस्पताल में भर्ती कोविड-19 मरीजों की संख्या पिछले सप्ताह के मुकाबले 50 प्रतिशत बढ़ गई है। पिछले सप्ताह जहां रोजाना औसतन 11,600 मरीज इलाज करा रहे थे अब यह संख्या 17,600 हो गई है।

कैलिफोर्निया में लगी भयावह 'डिक्सी' आग, डर के साये में जी रहे निवासी

ग्रीनविले। (एजेंसी)।

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में लगी भयावह 'डिक्सी' आग के कारण ग्रीनविले शहर के निवासियों के मन में भय है, जहां हजारों घरों के जलकर राख हो जाने का खतरा मंडरा रहा है। तेज हवाओं और बेहद शुष्क वनस्पति के कारण भड़की आग राज्य के इतिहास में सबसे बड़ी आग का रूप लेने जा रही है। चार साल से बेघर रही केसिया स्टडबेकर बमुश्किल अपने हालातों से उबर पाईं थी कि इस आग में फिर से सबकुछ बर्बाद होने का खतरा पैदा हो गया है।

स्टडबेकर ने कहा, 'हमें पता था कि पर्याप्त बारिश नहीं हुई है और आग लग सकती है लेकिन हमने इस तरह की भयावहता की कल्पना नहीं की थी।' बुधवार और बृहस्पतिवार को इस आग ने ग्रीनविले के अधिकांश हिस्से को जला दिया था। इसने 370 घरों और ढांचों को अपनी जद में ले लिया और उत्तरी सियेरा नेवादा में करीब 14,000 इमारतों पर इसकी चपेट में आने का खतरा मंडरा रहा है। न्यूयॉर्क सिटी के आकार से बड़ा हिस्सा इसकी जद में आ चुका है।

कैलिफोर्निया के वन एवं अग्नि सुरक्षा विभाग के मुताबिक 'डिक्सी फायर' शनिवार रात 1,813 वर्ग किलोमीटर तक के इलाके में फैल चुकी है और इसपर अबतक महज 21 प्रतिशत तक काबू पाया जा सका है। पेड़ की शाखा टूटकर गिरने के बाद शुक्रवार को चार दमकलकर्मियों को अस्पताल ले जाना पड़ा। शुरुआत में 20 से ज्यादा लोगों के लापता होने की खबर थी लेकिन शनिवार दोपहर को अधिकारियों का पांच लोगों को छोड़कर सभी से संपर्क हो गया था। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। पैसेफिक गैस एवं बिजली केंद्र ने कहा है कि यह आग संभवत- एक पेड़ के उसके बिजली की तारों पर गिर जाने के कारण लगी है।

एक संघीय न्यायाधीश ने केंद्र को उपकरण एवं वनस्पति के ब्योरे देने को कहा है जहां से 16 जुलाई से आग लगी थी। रात में तापमान कम रहने और अधिक नमी होने से आग का प्रसार धीमा हो गया है। लेकिन इस आग और आस-पड़ोस में फैली अन्य आगों के चलते खतरा अभी टला नहीं है। बाकी अन्य आग एक-दूसरे से महज कुछ सैकड़ों मील की दूरी पर ही लगी हैं।

2021 का पहला छह महीना, साल 2009 के बाद से अफगानिस्तान का सबसे खूनखराबा वाला दौर रहा

नई दिल्ली/काबुल (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को एक ब्रीफिंग में अफगानिस्तान स्वतंत्र मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष शहजाद अकबर ने कहा कि इस साल के पहले छह महीने साल 2009 के बाद से युद्ध के लिए सबसे खूनी रहे हैं। महिलाओं और बच्चों सहित 1,677 नागरिक मारे गए, जबकि 3,644 अन्य घायल हुए। अकबर ने यूएनएससी को बताया, अगर हिंसा की मौजूदा दर जारी रहती है, तो मुझे यह जानकर बहुत दुख हुआ है कि इस साल के अंत तक नागरिक क्षति का एक गंभीर नया रिकॉर्ड हो सकता है। जिलों और अब एक प्रांतीय शहर तालिबान के अधीन होने के साथ, आगे क्या होता है यह देखने के लिए लाखों अफगान आतंक में इंतजार कर रहे हैं।

इस परिषद और इसके सदस्यों के पास अभी भी अफगानों के खून बहने को रोकने और तबाही को रोकने का लाभ है। यह परिषद जीवन बचा सकती है। हमें बचाने के लिए राजनीतिक, राजनयिक, मानवाधिकार और मानवीय उपकरणों और हस्तक्षेपों की पूरी श्रृंखला का उपयोग करने के लिए परिषद की आवश्यकता होगी और आगे और अधिक भयानक अत्याचारों को रोक सकती है। हम परिषद, संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों से आग्रह करते हैं कि वे नागरिक सुरक्षा, युद्धविराम, हिंसा की समाप्ति और सार्थक और समावेशी राजनीतिक प्रक्रिया के लिए अफगान कॉलों का अधिक से अधिक तत्परता से जवाब दें।

उन्होंने कहा, महिलाएं विशेष रूप से अपनी

आजादी और अपने लोगों के खिलाफ तालिबान के अतीत और वर्तमान की गालियों को याद करती हैं और आने वाले समय से डरती हैं। जैसा कि आप जानते हैं, कई लोग इस बिगड़ते हालात से भागने की कोशिश करने वालों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं। स्पिन बोल्डक, कंधार में, आयोग के निष्कर्ष इस बात की पुष्टि करते हैं कि लक्षित, गैर-न्यायिक हत्याओं के अभियान में तालिबान ने सरकार से जुड़े कम से कम 40 नागरिकों को खींच लिया और मार डाला। मीडिया और मानवाधिकारों की रिपोर्टिंग के बाद, तालिबान ने सख्त प्रतिबंध लगाए और इन अत्याचारों के पूर्ण दस्तावेज को रोकने के लिए स्पिन बोल्डक से आने-जाने वाले लोगों की जांच करेंगे। मलिस्तान, गजनी प्रांत में, आयोग ने पुष्टि की कि तालिबान द्वारा लक्षित हत्याओं में कम से कम 27 नागरिकों की हत्या कर दी गई थी।

एक उदाहरण में, तालिबान ने नागरिकों के शवों को स्थानांतरित करने के लिए एक निहत्थे गार्ड की मदद मांगी और फिर गवाहों को खत्म करने के प्रयास में गार्ड को मार डाला। हेलमंद में, प्रांतीय राजधानी लश्कर गाह के निवासी तालिबान के हमलों और सरकारी हवाई हमलों के बीच फंस गए हैं, हर मिनट अपने जीवन के लिए डरते हैं और अपने मूल अधिकारों तक पहुंच से वंचित हैं। संघर्ष के कानूनों के उल्लंघन के अलावा, अफगानिस्तान के मानवाधिकार लाभ पर हमला हो रहा है और संघर्ष के विस्तार के रूप में तेजी से सिकुड़ रहा है। अकबर ने परिषद को जानकारी देते हुए कहा कि तालिबान के कब्जे वाले क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों का एक प्रमुख, गंभीर उदाहरण है। शिक्षा तक महिलाओं की पहुंच, बाजारों तक, बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित और सिकुड़ती जा रही है। उनके बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित और दमन किया गया है। अफगानिस्तान में अफगान महिलाएं या तो तालिबान क्षेत्र के दुःस्वप्न को फिर से जी रही हैं या जल्द ही इसे फिर से जीने के डर और आघात में जी रही हैं। अगर ज्वार नहीं बदलता है और हमारे पास बातचीत और उनमें सार्थक भागीदारी का अवसर नहीं है। उन्होंने कहा, सूचना तक पहुंच और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ हमारे पास समान रूप से संबंधित स्थिति है। चूंकि मीडिया संघर्ष के लिए दोनों पक्षों के दबाव में है, इसलिए विभिन्न प्रांतों में स्वतंत्र मीडिया बंद हो रहा है क्योंकि तालिबान के अधिक जिलों का पतन हो रहा है।

आतंकवादी समूह हिजबुल्ला लेबनान पर भविष्य में इजराइल के किसी भी हवाई हमले का देगा जवाब

बेरूत। (एजेंसी)।

आतंकवादी समूह हिजबुल्ला के नेता हसन नसरल्लाह ने शनिवार को कहा कि उसका समूह लेबनान पर भविष्य में इजराइल के किसी भी हवाई हमले का जवाब देगा। इससे एक दिन पहले हिजबुल्ला ने इजराइल की ओर कई रॉकेट दागे थे। नसरल्लाह ने कहा कि यह मान लेना गलत होगा कि हिजबुल्ला लेबनान में आंतरिक मतभेदों या देश के खराब आर्थिक हालात के कारण रुकेगा। नसरल्ला की यह टिप्पणियां तब आयी है जब एक दिन पहले उसके समूह ने इजराइल की ओर रॉकेट दागते हुए इसे दक्षिण लेबनान पर इजराइली हवाई हमलों का जवाब बताया। लेबनान की सीमा पर लगातार तीन दिन से हमले हो रहे हैं। लेबनान की सीमा पश्चिम एशिया में संघर्ष का एक प्रमुख स्थान है, जहां इजराइल और ईरान के बीच तनाव रहता है। ईरान हिजबुल्ला का समर्थन करता है।

नसरल्ला ने 2006 के इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध को खत्म होने की 15वीं वर्षगांठ पर टेलीविजन पर दिए भाषण में कहा, ''लेबनान पर इजराइली वायु सेना के किसी भी हवाई हमले का उचित तरीके से जवाब दिया जाएगा क्योंकि हम अपने देश की रक्षा करना चाहते हैं। यह कहकर गलत आकलन न करें कि हिजबुल्ला लेबनान की समस्याओं में व्यस्त है।'' हिजबुल्ला के नेता ने कहा कि रॉकेट दागना एक ''स्पष्ट संदेश'' था। उन्होंने कहा कि हिजबुल्ला ने खुले मैदान में 20 रॉकेट दागे क्योंकि इजराइल ने भी खुले मैदान में बृहस्पतिवार को हवाई हमले किए थे।

गौरतलब है कि लेबनान अपने आधुनिक इतिहास में अब तक के सबसे खराब आर्थिक और वित्तीय संकट से जूझ रहा है। इजराइल ने अनुमान जताया कि हिजबुल्ला के पास 130,000 से अधिक रॉकेट और मिसाइल हैं तथा वह देश में कहीं भी हमले करने में समर्थ है। नसरल्ला ने कहा, ''हम हमेशा कहते हैं कि हम युद्ध नहीं चाहते लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं।'' हिजबुल्ला नेता ने अपने भाषण में उस न्यायाधीश की कड़ी आलोचना की जिसने बेरूत के एक बंदरगाह में पिछले साल हुए विस्फोट की जांच की थी जिसमें कई लोग मारे गए और कई जख्मी हुए। नसरल्ला ने कहा कि न्यायाधीश तारिक बितर का काम ''राजनीति'' से प्रेरित है।

पोम्पिओ को दी गई 5800 डॉलर की व्हिस्की कहां गई? पता लगा रहा है विदेश विभाग

वाशिंगटन (एजेंसी)।

मीडिया में आई खबरों के मुताबिक अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ को तोहफे में मिली 5,800 अमेरिकी डॉलर की जापानी व्हिस्की का पता नहीं चलने से अमेरिकी विदेश मंत्रालय हैरान है और इस महंगी शराब का क्या हुआ यह पता लगाने की लिए जांच शुरू की गई है। सीएनएन ने एक संघीय रजिस्टर में विदेश विभाग की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग बोतल का पता लगा रहा है। दस्तावेजों में कहा गया कि जापान सरकार ने पोम्पिओ को 2019 में यह व्हिस्की तोहफे में दी थी। विभाग ने यह पता लगने पर असामान्य कदम उठाया कि व्हिस्की की बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही। न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के मुताबिक बीते दो दशकों में

ऐसी जांचों का कोई उल्लेख नहीं मिलता है। विदेश मंत्रालय की टिप्पणी के मुताबिक, 'विभाग इस मामले को देख रहा है और एक जांच चल रही है।' यह हालांकि स्पष्ट नहीं है कि पोम्पिओ ने खुद यह व्हिस्की प्राप्त की थी या किसी कर्मी ने इसे स्वीकार किया था। पोम्पिओ ने कहा कि उन्होंने कभी व्हिस्की की कोई बोतल प्राप्त नही की और उन्हें इसकी 'कोई जानकारी नहीं' की यह गायब है, न ही यह पता है कि तोहफे का क्या हुआ। फॉक्स न्यूज पर पेश हुए पूर्व विदेश मंत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि इसे कभी छुआ नहीं गया था। यह कभी मुझतक नहीं पहुंची। मुझे कोई जानकारी नहीं है कि विदेश विभाग ने यह चीजें कैसे खो दीं, यद्यपि अपने कार्यकाल के दौरान मैंने विदेश विभाग में काफी अक्षमताएं देखी थीं।' उन्होंने कहा, 'अगर वह डाइट कोक की पेटी होती तो उसे पूरा गटक जाता।'

ब्रिटेन ने भारत का नाम लाल सूची से हटाकर यात्रा प्रतिबंधों में दी ढील, अब वैक्सीन ले चुके यात्रियों के लिए क्वारंटाइन अनिवार्य नहीं !

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन ने रविवार को भारत का नाम ÷लाल÷ सूची से हटाकर 'ऐंबर÷ सूची में डालने के साथ ही देश के लिए यात्रा प्रतिबंधों में ढील दी। इसका मतलब यह हुआ कि कोविड-19 टीके की सभी खुराकें ले चुके भारतीय यात्रियों के लिए अब ब्रिटेन पहुंचने पर 10 दिन तक होटल में पृथक-वास में रहना अनिवार्य नहीं होगा। स्वास्थ्य एवं सामाजिक देखभाल विभाग (डीएचएससी) ने पुष्टि की कि रविवार सुबह चार बजे तक ऐंबर सूची में रखे गए देश, भारत से आने वाले सभी लोग जिन्हें भारत में टीका लग चुका है, उन्हें अपने घरों पर या भौगोलिक स्थिति दर्शाने वाले अनिवार्य फॉर्म में उल्लेखित निर्दिष्ट स्थान पर एकांतवास में रहना होगा। सरकार अनुमोदित पृथक-वास केंद्र में प्रति व्यक्ति 1,750 पाउंड के अतिरिक्त खर्च पर अनिवार्य रूप से 10 दिन रहने की शर्त अब लागू नहीं होगी लेकिन घर में पृथक-वास में रहने से छूट केवल उन लोगों को होगी जिन्हें ब्रिटेन या यूरोप में टीका लगा है।

डीएचएससी में एक सूत्र ने बताया, ÷हम मानते हैं कि दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के कोविड-19 टीके लगाए जा रहे हैं और यह निर्धारित करने का काम जारी है कि किस गैर-ब्रितानी टीके एवं प्रमाणन समाधान को मान्यता देनी है।÷ सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड/ एस्ट्राजेनेका के टीके 'कोविशील्ड' को ब्रिटेन स्वीकृत टीकों के व्यापक दायरे में शामिल किए जाने को लेकर कुछ अकटलें हैं। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि ब्रिटेन की औषधि एवं स्वास्थ्य लाभ उत्पाद नियमन एजेंसी (एमएचआरए) द्वारा अब तक स्वीकृत ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के भारत-निर्मित संस्करण को वैक्सजेवरिया ब्रांड का नाम दिया गया है और वर्तमान में छूट नियमों के तहत मान्यता प्राप्त यही एकमात्र टीका है।

ब्रिटेन की यातायात रोशनी प्रणाली की ऐंबर सूची में मौजूद देशों के लिए कानूनी नियमों के तहत, यात्रियों के लिए प्रस्थान से तीन दिन पहले कोविड की जांच कराना और ब्रिटेन पहुंचने पर जांच कराने के लिए दो कोविड जांचें पहले से बुक करने के साथ ही आगमन पर यात्री भौगोलिक स्थिति फॉर्म भरना अनिवार्य होगा। इंग्लैंड में आगमन पर, यात्रियों को घरों में या जिस स्थान का उन्होंने फॉर्म में उल्लेख किया है वहां 10 दिन पृथक-वास में रहना होगा और उन्हें दूसरे दिन या उससे पहले कोविड-19 की एक जांच और आठवें दिन या उसके बाद एक जांच करानी होगी। सभी नियमित निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक जारी रहेगी। हालांकि, ब्रिटेन और भारत सरकार के बीच द्विपक्षीय समझौते के तहत, भारत और ब्रिटेन के बीच सीमित संख्या में उड़ानों का परिचालन होता रहेगा।

अपने गठन के 54 साल बाद, शांति, विकास सुनिश्चित करने में आसियान सफल

नोम पेन्ह (एजेंसी)।

कम्बोडियन प्रधानमंत्री हुन सेन ने रविवार को आसियान दिवस को चिह्नित करने के लिए एक संदेश में कहा, दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) शांति, स्थिरता, सुरक्षा और स्थिर विकास सुनिश्चित करने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि एक साथ मिलकर, हमने इस क्षेत्रीय संगठन के विकास को एक करीबी और जन-उन्मुख इकाई के रूप में विकसित करने के लिए एक लंबी और पूर्ण यात्रा शुरू की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, आसियान में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। सेन ने कहा कि आसियान हमेशा कंबोडिया की विदेश नीति का अभिन्न अंग रहा है। आसियान ढांचे के माध्यम से, हम सभी क्षेत्रों में टिकाऊ शांति, सुरक्षा, समृद्धि और राष्ट्रीय विकास को बनाए रखने के लिए क्षेत्र के देशों और दुनिया भर के बाहरी भागीदारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों और सहयोग को बढ़ाने के अवसरों को अधिकतम करने में सक्षम हैं। एक क्षेत्रीय समूह के रूप में, आसियान अब तक यह सुनिश्चित करने में सफल रहा है कि उसके लोग सापेक्ष शांति, स्थिरता, सुरक्षा और स्थिर विकास का आनंद लें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में स्वास्थ्य मंत्री कनानी का वीडियो वायरल करने के आरोप में कार्यकर्ता गिरफ्तार, आप नेताओं ने वराछा थाने में रामधुन को बुलाया

क्रांति समय दैनिक

रत पटेल की पत्नी वार्ड नंबर २४ से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही थीं, उनका तर्क था कि उन्हें कनानी के इशारे पर गिरफ्तार किया गया था । भरत पटेल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष, पार्षदों और पदाधिकारियों समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता वराछा थाने पहुंचे और भरत पटेल

की रिहाई की मांग की. पुलिस ने ऐसे तर्क दिए थे कि उन्होंने कुमार कनानी को उसके इशारे पर गिरफ्तार कर लिया था। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने थाने के गेट के पास धरना दिया।

भारत सरकार ने कोरोना महामारी में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त उपलब्ध कराया अनाज

नई दिल्ली। महामारी के दौरान भारत सरकार ने अपने देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया है। खाद्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में गैर बासमती चावल का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में 2020-21 में 2.6 गुना बढ़ा है। वहीं गेहूं का निर्यात 2019 की तुलना में लगभग 9.5 गुना बढ़ गया है। बासमती चावल का निर्यात भी बढ़कर 131 लाख मीट्रिक टन हो गया। इसके साथ ही अन्य देशों को भी खाद्य सहायता के रूप में 79,000 टन अनाज मुहैया कराया है। राज्यसभा में खाद्य राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने बताया कि गैर बासमती चावल का निर्यात पिछले साल के दौरान लगभग 51 लाख मीट्रिक टन में 2020-21 में बढ़कर 131 टन हो गया। जबकि, इस दौरान बासमती चावल के निर्यात में मामूली बढ़ोतरी दर्ज कराई गई है। यह पिछले साल के 44.55 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 46.3 लाख मीट्रिक टन हो गया। इसी अवधि के दौरान गेहूं के निर्यात में 2019-20 में केवल 2.2 मीट्रिक टन रहा जोकि 2020-21 में बढ़कर 21 लाख मीट्रिक टन हो गया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का फायदा राशन कार्ड धारक 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को हुआ। भारत ने पिछले साल 2019-20 की तुलना में पिछले वर्ष के दौरान योग्य देशों को खाद्य सहायता में लगभग 36 गुना बढ़ोतरी की है। मंत्रालय ने कहा 2019-20 में जहां 2,184 टन गेहूं और चावल जरूरतमंद देशों को उपलब्ध कराया गया।

लालू परिवार में फिर दिखा कोल्ड वार

तेजप्रताप के पोस्टर से छोटे भाई तेजस्वी की तस्वीर गायब

पटना। लालू प्रसाद यादव के परिवार में एक बार फिर से शीत युद्ध देखने को मिल रहा है। इस बात की पुष्टि तब हुई जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की तरफ से पटना की सड़कों पर पोस्टर लगाए गए। हैरानी की बात यह है कि इस पोस्टर में तेजप्रताप के साथ तेजस्वी कहीं नजर नहीं आ रहे हैं।

इस पोस्टर में लालू और राबड़ी की तस्वीर तो नजर आ रही है लेकिन तेजस्वी गायब हैं। ये पोस्टर्स सड़कों पर ही नहीं बल्कि पटना में पार्टी दफ्तर पर भी लगाए गए हैं। बता दें कि आज तेजप्रताप ने राजद की छात्र इकाई की बैठक बुलाई है। इसमें संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारियों को मौजूद रहने का आदेश जारी किया गया है।

इस मौके पर तेजप्रताप के समर्थकों ने पटना में कई जगहों पर पोस्टर लगाए हैं। इन पोस्टरों में तेजस्वी यादव को जगह नहीं मिली है। हालांकि

इस पोस्टर में लालू और राबड़ी की तस्वीर तो नजर आ रही है लेकिन तेजस्वी गायब हैं। ये पोस्टर्स सड़कों पर ही नहीं बल्कि पटना में पार्टी दफ्तर पर भी लगाए गए हैं। बता दें कि आज तेजप्रताप ने राजद की छात्र इकाई की बैठक बुलाई है।

इन पोस्टरों पर लालू यादव और राबड़ी देवी मौजूद हैं। यहां तक की छात्र राजद के प्रदेश अध्यक्ष आकाश यादव तक की तस्वीर लगी हुई है।

क्या तेजप्रताप ने लिया बदला?

11 जून को पार्टी के 25वें स्थापना दिवस के मौके पर लगाए गए पोस्टर्स से तेजप्रताप की तस्वीर गायब थी। ऐसे में अटकलें लगाई जा रही हैं कि ये पोस्टर एक तरह से राजनीतिक बदला है। जानकारी के अनुसार पोस्टर में जगह न मिलने पर तेजप्रताप यादव काफी नाराज थे। मंच पर भी उनकी ये नाराजगी दिखी थी।

जातीय जनगणना को लेकर राजद के प्रदर्शन से तेजस्वी और तेजप्रताप रहे गायब

राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के नेतृत्व में शनिवार को मंडल दिवस पर पटना में आयोजित धरना-प्रदर्शन हुआ। इस दौरान तेजस्वी और तेजप्रताप इस दौरान कहीं नजर नहीं आए। उन्होंने कहा कि देश में जातीय जनगणना कराने संबंधी प्रस्ताव बिहार विधानसभा द्वारा दो बार सर्वसम्मति से पारित कर भेजा गया है

विदेशों से आए लोगों पर कोरोना की मार, मशक्कत के बाद भी देश में नहीं मिल रहा रोजगार

नई दिल्ली। कोविड की वजह से खाड़ी देशों से भारत वापस आए कामगारों को रोजगार के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। बड़ी संख्या में लोग रोजगार पाने की कतार में हैं, लेकिन कई राज्य सरकारों के ऐलान के बावजूद उन्हें काम नही मिल पा रहा है। विदेश मंत्रालय के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कोविड के दौरान खाड़ी देशों से सात लाख 16 हजार से ज्यादा भारतीय कामगार वापस देश लौटे हैं। जून तक के आंकड़ों के मुताबिक करीब 31 हजार लोगों ने स्वदेश कौशल कार्ड के लिए पंजीकरण कराया। एएसईईएम पर पंजीकृत नियोक्ताओं ने करीब 6704 लोगों से रोजगार के लिए संपर्क किया है। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारों की अलग-अलग स्थिति का डेटाबेस मंत्रालय के पास उपलब्ध

नही है। लेकिन मैपिंग पोर्टल से साफ संकेत मिल रहा है कि अपेक्षा के मुताबिक रोजगार के अवसर उपलब्ध नही हो पाए हैं। सूत्रों का कहना है कि कोविड की वजह से देश मे रोजगार के अवसर सीमित हुए थे। देश में काम कर रहे लोगों की नौकरी गई। ऐसे में बाहर से आए लोगों के लिए रोजगार पैदा करना बड़ी चुनौती थी। हालांकि केंद्र ने विभिन्न मंत्रालयों के सहयोग से स्किल मैपिंग करके समायोजन का प्रयास किया। राज्य सरकारों ने भी कदम उठाए। अधिकारी मानते हैं कि जिस संख्या में लोग वापस आए उस अनुपात में अवसर उपलब्ध नही हो पाए।

कर्नाटक में फिर सख्त हुईं कोरोना की पाबंदियां, कई इलाकों में नाइट कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध आगे बढ़े

बेंगलुरु। देश के दक्षिणी राज्य कर्नाटक में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए पाबंदियां को सख्त कर दिया है। कर्नाटक ने केरल और महाराष्ट्र की सीमा से सटे जिलों में वीकेंड कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है। इसके साथ ही पूरे राज्य में मौजूदा नाइट कर्फ्यू को रात 10 बजे के बजाय रात 9 बजे से शुरू करने का फैसला किया गया है।कोरोना के नए मामले अभी भी सामने आने के बाद कर्नाटक सरकार ने बेल्लारी और विजयनगर जिलों में नाइट कर्फ्यू को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इसके अलावा, सभी सामाजिक/राजनीतिक/खेल/मनोरंजन/शैक्षणिक/सांस्कृतिक/धार्मिक समारोह/अन्य सभाएं और बड़ी सभाएं जिलों में हर समय प्रतिबंधित रहेंगी। कर्नाटक के इन दो जिलों में कोरोना नियमों का उल्लंघन करने वाला कोई भी व्यक्ति आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 51 से 60 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत उत्तरदायी होगा, आईपीसी

की धारा 188 और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई होगी।

कोरोना वायरस का संक्रमण कर्नाटक में कम होने का नाम नहीं ले रहा है।इस दौरान केवल आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों, रोगियों और यात्रियों को आवाजाही की अनुमति होगी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को राज्य में कोविड-19 की स्थिति पर चर्चा करने के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा विशेषज्ञों, मंत्रियों और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बोम्मई ने कहा, 'हमने वर्तमान कोविड स्थिति पर चर्चा की है, आने वाले दिनों में संक्रमण दर में संभावित वृद्धि या कमी के बारे में अखिल भारतीय स्तर पर कुछ निर्देश आए हैं, जिसके आधार पर हमने कुछ निर्णय लिए हैं।' उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हमने केरल और महाराष्ट्र की सीमा से लगे जिलों में वीकेंड कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है और राज्य भर में रात का कर्फ्यू रात 10 बजे के बजाय रात 9 बजे से शुरू होगा (यह रात 9 बजे से सुबह 5 बजे तक होगा) और पुलिस को इसे सख्ती से लागू करने के लिए कहा गया है।

कनाडा में भारत बायोटेक के कोवाक्सिन टीके का विश्लेषण है जारी

हैदराबाद। भारत बायोटेक अमेरिकी और कनाडा की पार्टनर ऑक्युजेन ने कहा है कि भारत बायोटेक के टीके कोवाक्सिन के आंकड़ों का विश्लेषण कनाडा की सरकार और दवा नियंत्रक संस्था कर रही है।

ऑक्युजेन जून में भारत बायोटेक के संपर्क में आई थी। दोनों के बीच करार के तहत कनाडा कोवाक्सिन के उत्पादन और इस्तेमाल को लेकर कवायद शुरू होनी थी। ऑक्युजेन ने पहले ही कनाडा के स्वास्थ्य विभाग से संपर्क साध रखा है। इसके साथ ही कोवाक्सिन के तीसरे चरण का परीक्षण भी साझा किया है जिससे कनाडा में टीके का इस्तेमाल

ऑक्युजेन जून में भारत बायोटेक के संपर्क में आई थी। दोनों के बीच करार के तहत कनाडा कोवाक्सिन के उत्पादन और इस्तेमाल को लेकर कवायद शुरू होनी थी। ऑक्युजेन ने पहले ही कनाडा के स्वास्थ्य विभाग से संपर्क साध रखा है। इसके साथ ही कोवाक्सिन के तीसरे चरण का परीक्षण भी साझा किया है

जल्द से जल्द शुरू हो सके। ऑक्युनेज के सीईओ शंकर मुसुनुरी ने कहा है कि टीके का विश्लेषण कनाडा के दवा नियंत्रक द्वारा किया जा रहा है। ऐसे में हम किसी समय सीमा की घोषणा नहीं कर सकते हैं कि इसका इस्तेमाल कब शुरू होगा। हम विश्लेषण के बाद कनाडा के सभी सवालों का जवाब देने को तैयार हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- विकास कार्यों पर जनहित याचिका के लिए जमा करवाएं 10 लाख रुपये

नई दिल्ली। सीधे जनता से जुड़ी विकास परियोजनाएं रोकने या धीमी करने के लिए 'मोटिवेटेड जनहित याचिकाएं' न दायर हों, इसके लिए बॉम्बे हाईकोर्ट जनहित याचिका नियमावली 2010 के तहत याचिका के साथ परियोजना की कुल लागत की एक प्रतिशत राशि याचिकाकर्ता को जमा करवानी होती है। पुणे महानगर निगम की 390 करोड़ रुपये की एक परियोजना के खिलाफ एक पार्षद द्वारा की याचिका पर इस नियम के तहत 3.90 करोड़ रुपये हाईकोर्ट में जमा करवाने के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर यह राशि 10 लाख रुपये पर सीमित कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि 'बॉम्बे हाईकोर्ट का नियम बेशक ध्यान में रखा जाना चाहिए, लेकिन यह देखना भी जरूरी है कि एक संतुलन कायम हो ताकि इस नियम की वजह से न्याय पाने की संभावना ही खत्म न हो जाए।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 3.90 करोड़ रुपये जमा करवाने का आदेश हाईकोर्ट ने

निश्चित तौर पर यह पक्का करने के लिए दिया कि जनहित के प्रोजेक्ट बिना वजह मुकदमों में न फंस कर रह जाएं। लेकिन कुछ मामलों में परियोजना की एक प्रतिशत राशि बहुत भारी हो सकती है।

यह है मामला–पुणे महानगर निगम ने शहरी सीमा में नए शामिल 11 गांवों में सीवेज नेटवर्क, ट्रीटमेंट प्लांट, रखरखाव आदि का 390 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला। अरविंद तुकाराम शिंदे सहित शहर के पांच पार्षदों इस पर आपत्ति की। शिंदे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि बिना विकास योजना, ड्राफ्ट या अंतरिम योजना यह टेंडर निकाले गए जो महाराष्ट्र नगर नियोजन अधिनियम के खिलाफ है। हाईकोर्ट ने उन्हें नियम के तहत 3.90 करोड़ रुपये याचिका के साथ जमा करवाने को कहा।

आदेश–हाईकोर्ट द्वारा निर्धारित राशि को बेहद कठोर मानते हुए इसे कम करवाने के लिए शिंदे ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। यहां 19 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट को उनकी याचिका रद्द न करने और 10 लाख रुपये हाईकोर्ट रजिस्ट्री में जमा करवाने के अंतरिम आदेश दिए। ताजा आदेश में यही रकम याचिका के लिए जमा करवाने के लिए कहा गया।

मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी और बिहार में भारी बारिश से तबाही; कोटा संभाग में अब तक 13 हजार घर ढहे, 27 मौतें

नई दिल्ली। मानसून सीजन में मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के कई राज्य भारी बारिश का सामना कर रहे हैं। कई इलाके बाढ़ की चपेट में हैं। राजस्थान के कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़ और धौलपुर में बाढ़ ने काफी तबाही मचाई है। कोटा संभाग में अब तक 12,900 मकान ढह चुके हैं, जबकि 27 लोगों की मौत हुई है। वहीं, बूंदी में 12, कोटा में 6, बारां में 7 और झालावाड़ में 2 मौतें हुई हैं।

राज्य भर में अब तक 4 लाख हेक्टेयर फसल बारिश की भेंट चढ़ने का अनुमान है। सोयाबीन की फसल को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है। सीएम अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि प्रभावित लोगों को मुआवजा समय पर मिले, इसके लिए सर्वे कराया जा रहा है।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश के बाद बांधों से 1.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ने से बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। झालावाड़ जिले के एक गांव में बारिश के बाद घर की दीवार गिरने से एक किशोर की मौत हो गई। राज्य के हाड़ौती इलाके के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन पर असर डाला है।

मौसम वैज्ञानिक पीके साहा ने बताया कि विदिशा, रायसेन, राजगढ़, गुना और अशोकनगर में भारी बारिश होगी। सीहोर,

शाजापुर, आगर, नीमच, मंदसौर, शिवपुरी, दतिया, श्योपुरकलां, सिवनी, सागर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में कहीं-कहीं 5 इंच तक बारिश हो सकती है।

भिंड के कई गांवों में बाढ़ ने तबाही मचाई

MP में भिंड के कई गांवों में बाढ़ का पानी उतर गया है, लेकिन लोग वापस जाने को तैयार नहीं हैं। वो अभी भी सड़कों के किनारे और ऊंचे टीले पर जिंदगी गुजार रहे हैं। लोगों का कहना है कि वहां पर पीने के लिए पानी और बिजली नहीं है। वहां पर रुकना मुश्किल हो रहा है।

अमायन इलाके के कछपुरा, अजीता, खैरौली, बछरेटा, बरैठी, खेरिया, सांधरी, बिरौना और इंदुर्खी गांव के 75 प्रतिशत घरों का पूरा सामान बाढ़ में बह गया है। बछरेटा गांव के रहने वाले अहिवरन सिंह बताते हैं कि गांव से बाढ़ का पानी पूरी तरह से उतर चुका है, पिछले दो दिन से वो अपने टूटे हुए मकानों में जमा मलबा और कचरा साफ कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के 6 जिलों में बाढ़ के हालात –पश्चिम बंगाल में दामोदर घाटी निगम बांध से पानी छोड़े जाने के कारण कम से कम 6 जिले बाढ़ का सामना कर रहे हैं। हुगली जिले के हजारों ग्रामीणों ने राहत शिविरों में पनाह ली है। चक्रवाती प्रवाह के कारण झारखंड और बिहार में भी रविवार को भारी बारिश होने का अनुमान है। IMD ने कहा कि अगले पांच दिनों में उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर हल्की से भारी वर्षा हो सकती है।

पटना के कई इलाकों में लोग पलायन को मजबूर

बिहार में बक्सर से लेकर पटना तक गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बक?सर और भोजपुर में शुक्रवार को ही गंगा खतरे के निशान से पार चली गई। पटना के दियारा इलाके में पानी पहुंचना शुरू हो गया है। यहां से लोग पलायन भी करने लगे हैं। राजधानी में पुनपुन नदी उफान पर है। कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। जिला प्रशासन की टीम बांध के आसपास गश्त कर रही है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सीएम बोम्मई ने येदियुरप्पा को दिया कैबिनेट रैंक का दर्जा

बेंगलुरु। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने अपने पूर्ववर्ती बी.एस. येदियुरप्पा को कैबिनेट रैंक का दर्जा प्रदान किया है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) के अवर सचिव ने शनिवार को यह आदेश जारी किया। डीपीएआर के प्रोटोकॉल विंग के आदेश में उल्लेख किया गया है कि जब तक वर्तमान मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पद पर रहेंगे, येदियुरप्पा को कैबिनेट स्तर के मंत्री की सभी सुविधाएं मिलती रहेंगी। ऐसा पहली बार हो रहा है। येदियुरप्पा अब एक सरकारी बंगले, वाहन, 11 कर्मचारियों और सरकार द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा का उपयोग करना जारी रख सकते हैं। आमतौर पर, निवर्तमान मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद छह महीने तक इन भत्तों को जारी रखते हैं। डीएपीआर के सूत्रों ने कहा कि हालांकि, उन्हें कैबिनेट रैंक का दर्जा देने का आदेश दिया गया है। मुख्यमंत्री बोम्मई के आदेश ने कई लोगों को हैरान कर दिया है।

हिमाचल सरकार कोविड महामारी के दौरान अनाथ हुये बच्चों की मदद करेगी

शिमला । हिमाचल सरकार ने उन बच्चों की मदद के लिए मदद का हाथ आगे बढाया है जिन्होंने कोविड के कारण अपने माता पिता को खो दिया है अब बच्चे अपने आपको असुरक्षित महसूस नहीं कर सकते हैं मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने बताया कि प्रदेष सरकार ऐसे बच्चों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी भलाई के लिए अनेक योजनाएं आरम्भ की हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत प्रत्येक अनाथ बच्चे को प्रतिमाह 3500 रुपये प्रदान किए जाएंगे, जिसमें से दो हजार रुपये केंद्र सरकार और 1500 रुपये प्रदेष सरकार प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे इच्छुक हों तो सरकार ऐसे अनाथ बच्चों को बाल देखभाल केंद्रों में दाखिल करने को प्राथमिकता देगी। जय राम ठाकुर ने कहा कि कोविड-19 के कारण अनाथ हुए बच्चों को केन्द्रीय, नवोदय तथा सैनिक विद्यालयों इत्यादि में दाखिला दिया जाएगा तथा सरकार द्वारा उनकी पढ़ाई का खर्च वहन किया जाएगा। सरकार निजी विद्यालयों में पढ़ रहे ऐसे विद्यार्थियों की पढ़ाई का खर्च भी वहन करेगी।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर बोले, उम्मीद है आईटी समिति पेगासस मुद्दे पर करेगी विचार

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पर संसदीय समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने रविवार को कहा कि सदस्यों ने 28 जुलाई को समिति की बैठक 'बाधित' की, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि पेगासस आरोपों पर कोई चर्चा हो और जिन अधिकारियों को गवाही देनी थी, लगता है उन्हें ''पेश नहीं होने का निर्देश दिया गया।'' उन्होंने उम्मीद जतायी कि आगामी समय में समिति जासूसी मुद्दे पर सुनवाई करेगी। समिति की बैठक में शामिल नहीं होने वाले मंत्रालय के अधिकारियों पर कार्रवाई करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखने वाले थरूर ने यह भी कहा कि बैठक से दूर रहने के लिए ''अंतिम समय में बहाने'' बनाने वाले तीन अधिकारियों की हरकत गवाहों को बुलाने के लिए ऐसी समिति के विशेषाधिकार पर एक ''गंभीर हमला'' है। कांग्रेस नेता थरूर ने पीटीआई-के साथ साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की कि विपक्ष ने संसद का अपमान किया है।

मंदिर में तोड़फोड़ मामले को लेकर संतों ने फूंका पाकिस्तान का झंडा, इमरान खान को भी दी चेतावनी

अयोध्या। पाकिस्तान में हिंदू देवी देवता पर अभद्रता और मंदिरों को तोड़े जाने से नाराज तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास पाकिस्तान का झंडा और प्रधानमंत्री इमरान खान का पोस्टर जलाकर विरोध किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में रहने वाली हिंदुओं को सुरक्षित करने के लिए भारत लाया जाए तो वहीं इमरान खान को भी चेतावनी दी है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार का मामला बढ़ता जा रहा है तो वहीं अब वहां पर स्थित मंदिरों को भी समाप्त करने की साजिश के तहत हमले हो रहे हैं। हाल ही में पाकिस्तान में सिद्धि विनायक गणेश मंदिर पर हमला कर तोड़फोड़ किये जाने का वीडियो तेजी के साथ वायरल हो रहा है। को लेकर अयोध्या के साधु संत नाराज हैं आज तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास कुछ युवाओं के साथ सूर्य कुंड पहुंचे जहां पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए पाकिस्तान का झंडा और इमरान खान का पोस्टर को फूंका।

देश में कोरोना संक्रमण के 39,070 नए मामले दर्ज, 491 और मरीजों ने गंवाई अपनी जान

नयी दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 39,070 नए मामले सामने आने से संक्रमण के मामले बढ़कर 3,19,34,455 हुए जबकि 491 और लोगों के जान गंवाने से मृतक संख्या 4,27,862 हो गयी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 4,06,822 हुई, जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.27 प्रतिशत है। कोरोना वायरस से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 97.39 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 5,331 मामलों की कमी आयी है। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,10,99,771 हुई है जबकि मृत्यु दर 1.34 प्रतिशत है। रविवार सुबह तक देशव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत कोविड-19 रोधी टीकों की 50.68 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

सरकार पूर्वोत्तर में जल संसाधनों के एकीकृत प्रबंधन के लिए संसद में पेश करेगी एक विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार पूर्वोत्तर, पश्चिम बंगाल, सिक्किम एवं ब्रह्मपुत्र बेसिन क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण के उपायों एवं जल संसाधनों के एकीकृत प्रबंधन के लिए प्राधिकरण स्थापित करने के उद्देश्य से जल्द ही संसद में एक विधेयक पेश करेगी। यह जानकारी जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग ने संसद की जल संसाधन संबंधी स्थायी समिति को दी है। इससे संबंधित रिपोर्ट पांच अगस्त को लोकसभा में पेश की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने समिति को बताया है कि पूर्वोत्तर, पश्चिम बंगाल, सिक्किम एवं ब्रह्मपुत्र बेसिन क्षेत्र में जल संसाधनों के एकीकृत प्रबंधन के उद्देश्य से 'पूर्वोत्तर जल प्रबंधन प्राधिकरण' की स्थापना के लिए विधेयक लाया जाएगा।

विभाग ने बताया कि मसौदा विधेयक तैयार कर परामर्श के लिए सभी पक्षकारों, संबंधित राज्यों, मंत्रालयों, नीति आयोग को भेजा गया था। इसके अलावा केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की पहल पर पिछले वर्ष मार्च में पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्रियों एवं संबंधित राज्यों के मंत्रियों का एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसने कहा कि अभी मसौदा कैबिनेट नोट सहित मसौदा विधेयक पर विधि एवं न्याय मंत्रालय विचार कर रहा है तथा संसद में विधेयक को जल्द से जल्द पेश करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मसौदा पूर्वोत्तर जल प्रबंधन प्राधिकरण विधेयक में कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र और बराक नदी बेसिन को एकल प्रणाली के रूप में तथा पारिस्थितिकी के अनुरूप एक साझा सामुदायिक संसाधन के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि बेसिन राज्यों को खाद्य सुरक्षा हासिल करने, लोगों की आजीविका में सहायता तथा समान एवं स्थायी विकास सुनिश्चित करने में मदद मिले। इसमें कहा गया है कि प्रस्तावित विधेयक में संबंधित राज्य अपने-अपने क्षेत्रों में अंतरराज्यीय नदी बेसिन में जल प्रबंधन, विकास और विनियमन समानता के आधार पर एवं स्थायी तौर पर कर सकेंगे बशर्ते कि जल का इष्टतम उपयोग एवं पर्याप्त नदी प्रवाह...नदी बेसिन मास्टर योजना के अनुसार हो।

यूपी में सपा-महान दल की सरकार बनेगी, 400 सीट पर जीत पक्की : अखिलेश यादव

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार की आलोचना की,साथ ही कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी और सपा की सहयोगी पार्टी महान दल की सरकार बनेगी। महान दल ने ठाना है-सपा की सरकार बनाना है के नारों के बीच यादव ने रविवार को सपा मुख्यालय में महान दल के कार्यकर्ता सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। उन्होंने कहा, जो नारा आपने दिया है, उसे कई कार्यक्रमों में सुना गया है। कासगंज की ऐतिहासिक जनसभा में आपकी पार्टी की टोपी और आपका झंडा लहराता दिख रहा था और हम लोग किसानों के समर्थन में खड़े हुए थे। जो नारा वहां शुरू हुआ था, वह लखनऊ के करीब आ गया है। दरअसल कासगंज में इसी वर्ष मार्च माह में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ महान दल और सपा ने एक महापंचायत आयोजित की थी और उसी दिन अखिलेश यादव ने संकेत दिया था कि सपा और महान दल मिलकर विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। यादव ने कहा,'' अभी तक तो मैं 350 सीटों पर जीत की बात कह रहा था लेकिन महान दल से कार्यक्रम तय होने के बाद 400 सीट पर जीत पक्की हो गई है।'' सपा प्रमुख ने राज्य के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को नकली केशव बताते हुए कहा कि असली केशव तो महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य हैं।

बिजली (संशोधन) विधेयक के प्रावधान देशहित में नहीं, राज्यों के साथ भी नहीं की गई चर्चा : संजय राउत

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि केंद्र का बिजली (संशोधन) विधेयक देशहित में नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक पर राज्यों के साथ चर्चा नहीं की गई। इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस विधेयक को रोकने का आग्रह किया। बनर्जी ने कहा कि इस मुद्दे पर पहले व्यापक और पारदर्शी तरीके से विचार-विमर्श होना चाहिए। बिजली (संशोधन) विधेयक, 2021 के तहत बिजली उपभोक्ताओं को दूरसंचार क्षेत्र की तरह अपनी पसंद के सेवाप्रदाता को चुनने का विकल्प मिलेगा। लोकसभा के 12 जुलाई, 2021 को जारी बुलेटिन के अनुसार, सरकार ने संसद के मौजूदा सत्र में 17 नए विधेयक पेश करने के लिए सूचीबद्ध किए हैं। इनमें बिजली (संशोधन) विधेयक भी है।

पार्टियों का दबाव बढ़ने से जाति जनगणना पर सियासत गरमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जनगणना में जाति को शामिल करने की क्षेत्रीय दलों की मांग के बाद जातिगत जनगणना पर राजनीति तेज हो गई है। यहां तक कि भाजपा की सहयोगी जनता दल यूनाइटेड भी देश में जाति आधारित जनगणना पर जोर दे रही है। ओबीसी आयोग के पूर्व सदस्य शकीलुज्जमां अंसारी ने कहा, देश को पता होना चाहिए कि देश में ओबीसी की आबादी क्या है और उनकी सामाजिक स्थिति क्या है ताकि कल्याणकारी योजनाओं को उस विशेष समुदाय की ओर मोड़ा जा सके। हालांकि नीतीश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी हैं, लेकिन उन्होंने पिछले हफ्ते दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान कहा, हमारा काम अपने विचारों को सामने रखना है, यह केंद्र पर निर्भर है कि वह जाति की जनगणना करे या न करे। मुझे नहीं लगता कि एक जाति पसंद करेगी और दूसरी नहीं। यह सभी के हित में है। उन्होंने आगे कहा कि इससे समाज में कोई दरार या तनाव नहीं आएगा। सुख होगा। योजनाओं से लोगों को लाभ होगा, और ऐसी जनगणना ब्रिटिश शासन के तहत भी हुई। जदयू ही नहीं, राजद, समाजवादी पार्टी और द्रमुक जैसे अन्य राजनीतिक दल भी जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने जाति जनगणना का मुद्दा उठाया था और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात की थी, जिन्होंने देश में जाति आधारित जनगणना की मांग का भी समर्थन किया है। अंसारी का आरोप है , ओबीसी आयोग के निर्देश के बाद यूपीए सरकार ने जाति सर्वेक्षण किया, लेकिन एनडीए सरकार ने आंकड़ों का विश्लेषण त्रुटियों का हवाला देते हुए प्रकाशित नहीं किया। 2011 में, भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा आयोजित सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना, जाति, उप-जाति की 46,73,034 श्रेणियों के साथ सामने आई थी, लेकिन जुलाई 2015 में, भारत सरकार ने कहा कि त्रुटियां पाई गईं और उनमें से कुछ को तब से ठीक किया गया है। भारत में पहली जाति जनगणना 1881 में अंग्रेजों द्वारा भारत पर अधिकार करने के बाद की गई थी और जाति के आधार पर आखिरी जनगणना 1931 में की गई थी।

बलिया में ऑक्सीजन न मिलने से मौत के मामले में जांच के आदेश, विपक्ष के नेता ने सरकार पर लगाया आरोप

बलिया। (एजेंसी)।

बलिया जिला प्रशासन ने जिला अस्पताल में कथित रूप से ऑक्सीजन प्रबंध न होने से एक व्यक्ति की मौत के मामले में जांच के आदेश दिये हैं। इस मामले में विपक्ष ने सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोविंद चौधरी ने इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत?व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को दोषी ठहराया है जबकि भाजपा सांसद रवींद्र कुशवाहा ने दोषी चिकित्सक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, जिले के दोकटी थाना क्षेत्र के दलन छपरा गांव के रामजीत यादव की शनिवार को जिला अस्पताल में मौत हो गई। यादव के परिजन ने चिकित्सकों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

परिजन का कहना है कि उन्होंने कल शाम यादव को अस्पताल में भर्ती कराया था। उनका आरोप है कि वह ऑक्सीजन की व्यवस्था को लेकर जिला अस्पताल में दौड़ लगा रहे थे, लेकिन वहां कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था जो रोगी को ऑक्सीजन दे सके जिसके उसकी मौत हो गई। जिलाधिकारी अदिति सिंह के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

सूचना विभाग द्वारा शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल में परिवार द्वारा अस्पताल की लापरवाही और ऑक्सीजन न मिलने के कारण मौत होने का आरोप लगाने का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद कार्रवाई का निर्देश दिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है।

उन्होंने बताया है कि जांच रिपोर्ट आने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। राज्य विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता राम गोविंद चौधरी ने इस मामले में रविवार को योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यादव की मौत के लिए योगी सरकार दोषी है।

उन्होंने कहा कि मोदी और योगी सरकार लगातार बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था का दावा कर रही है, जबकि बलिया के जिला अस्पताल में ऑक्सीजन के अभाव में एक व्यक्ति की मौत हो जाती है। उधर, भाजपा के सलेमपुर के सांसद रवींद्र कुशवाहा ने दोषी चिकित्सक के विरुद्ध तत्काल हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक की लापरवाही के कारण किसी रोगी का मौत हो जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने इस मामले में दोषी स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की मांग की है।

न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट डालने के मामले में पांच लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से मानहानिकारक सामग्री डालने के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में वाईएसआर कांग्रेस के लोकसभा सदस्य नंदीगाम सुरेश और इसी पार्टी के एक और नेता अमांची कृष्ण मोहन की भूमिका जांच के दायरे में है और एजेंसी ने किसी बड़े षड्यंत्र का खुलासा करने के प्रयास में दोनों से पूछताछ की है।

सीबीआई प्रवक्ता आर सी जोशी ने कहा, ''किसी बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए सीबीआई ने एक सांसद, एक पूर्व विधायक समेत कुछ लोगों से पूछताछ की है और कुछ अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है, जिनके नाम प्राथमिकी में नहीं हैं।'' एजेंसी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश से दो लोगों-पत्तापू आदर्श और एल सांबा शिवा रेड्डी को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले सीबीआई ने 28 जुलाई को धामी रेड्डी कोंडा रेड्डी और पामुला सुधीर को गिरफ्तार किया था, वहीं कुवैत निवासी लिंगारेड्डी राजशेखर रेड्डी को नौ जुलाई को भारत पहुंचने पर गिरफ्तार किया गया था।

एक अधिकारी ने कहा, ''एजेंसी उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। वह जैसे ही भारत पहुंचा, अधिकारियों ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया।'' सीबीआई ने न्यायाधीशों के खिलाफ कथित अपमानजनक पोस्ट डालने के मामले में 16 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसी मामले में एजेंसी ने गिरफ्तारियां की हैं। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने एजेंसी को मामले की जांच करने तथा सीलबंद लिफाफे में उसे रिपोर्ट जमा करने को कहा था। जोशी ने कहा, ''आरोप है कि आरोपियों ने जानबूझकर न्यायपालिका को निशाना बनाते हुए न्यायाधीशों तथा न्यायपालिका के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट डाले। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के कुछ फैसलों के बाद ऐसा किया गया।

मनोज झा ने की मानसून सत्र बढ़ाए जाने की मांग, बोले- गतिरोध खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री करें हस्तक्षेप

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता मनोज कुमार झा ने रविवार कहा कि सरकार संसद में पेगासस गतिरोध पर वार्ता के रास्ते बंद कर रही है और मुद्दे के समाधान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद के व्यर्थ गए समय के बदले मानसून सत्र का विस्तार किया जाना चाहिए। राज्यसभा सदस्य झा ने इस बात के लिए भी सरकार की आलोचना की कि वह बार-बार जोर देकर यह कह रही है कि विपक्षी दलों के साथ संवाद कायम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं होता कि आप ''जेब में हाथ डालकर, चेहरे पर कठोर भाव बनाकर कहें कि हमारे पास देने को बस यही है, कुछ और नहीं।''

झा ने पीटीआई-को दिए साक्षात्कार में कहा, ''संवाद कायम करने की आड़ में वे (सरकार)वार्ता के लिए दरवाजे बंद कर रहे हैं। मैंने कई बार यह कहा है कि संवाद बनाने की जिम्मेदारी जिन तथाकथित लोगों को दी गई, संभवत- उनके पास किसी तरह की ठोस पेशकश देने का अधिकार नहीं है।'' उल्लेखनीय है कि 19 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरू होने के बाद से ही विपक्षी दलों के विरोध और गतिरोध के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही है। विपक्ष पेगासस जासूसी विवाद पर चर्चा की मांग पर अड़ा है। कुछ मीडिया संगठनों के अंतरराष्ट्रीय समूह ने कहा था कि भारत में पेगासस स्पाईवेयर के जरिए 300 से अधिक मोबाइल नंबरों की संभवत- निगरानी की गयी। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, दो मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल और अश्विनी वैष्णव, कारोबारी अनिल अंबानी, 40 से अधिक पत्रकारों, तीन विपक्षी नेताओं के अलावा अनेक कार्यकर्ताओं के नंबर भी थे। सरकार इस मामले में विपक्ष के सभी आरोपों को खारिज करती रही है।

पेगासस मामले पर विपक्ष की चर्चा की मांग और संसद में इसे लेकर बने गतिरोध के बारे में सवाल पूछे जाने पर झा ने कहा कि सरकार मीडिया में कहती है कि वह संवाद कायम करने का प्रयास कर रही है लेकिन इस तरह के प्रयासों का मतलब ''केवल सुनना नहीं, बल्कि समझना'' होना चाहिए। राजद के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि सरकार ''द्वेषपूर्ण भाषा'' का प्रयोग कर रही है जिससे ''गतिरोध'' खत्म होने की संभावना खत्म हो गई है। उन्होंने कहा, ''लेकिन अगर प्रधानमंत्री स्वयं हस्तक्षेप करें और अपने लोगों से गतिरोध खत्म करने तथा यह बोलने को कहें कि 'हम किसी भी विषय पर चर्चा के लिए तैयार हैं' तो चर्चा अब भी संभव है। जो समय व्यर्थ चला गया, उसके बदले अगर संभव हो तो सत्र की अवधि बढ़ाई जाए। हम 15 अगस्त के बाद भी चर्चा कर सकते हैं।''

उल्लेखनीय है कि संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त तक चलेगा। संसद में कोविड-19 की दूसरी लहर पर विस्तार से चर्चा नहीं होने पर झा ने सरकार पर तथ्यों से खुलेआम इनकार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''जिस दिन मैंने भाषण (राज्यसभा में कोविड पर) दिया था, सरकार ने प्रतिक्रिया में कहा कि ऑक्सीजन की कमी के कारण किसी की मौत नहीं हुई। जब आप वैश्विक महामारी से लड़ते हो तो आपको नाकामियों को स्वीकार करना चाहिए और सफलता का श्रेय भी लेना चाहिए। मैं सिर्फ केंद्र सरकार को दोष नहीं देता, बल्कि कई राज्य सरकारों ने भी तथ्यों से साफ इनकार किया।''

उत्तर भारतीय पूर्व मुख्यमंत्री के कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष होने के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस अपने ढांचे में बदलाव पर विचार कर रही है, ऐसे में महासचिव और राज्य प्रभारी स्तर पर होने वाले फेरबदल को लेकर पार्टी के भीतर गंभीर मंथन चल रहा है। पार्टी सोनिया गांधी पर बोझ कम करने के लिए एक कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति पर भी विचार कर रही है।

सूत्रों का कहना है कि इस पद के लिए एक हिंदी भाषी उत्तर भारतीय पूर्व मुख्यमंत्री पर विचार किया जा रहा है। वर्तमान में पार्टी में तीन पूर्व मुख्यमंत्री हैं - मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा - दोनों के पास अपने-अपने राज्यों में दो बार मुख्यमंत्री रहे।

दूसरा नाम कमलनाथ का है, जो हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और केंद्र में कई बार केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। चौथे व्यक्ति गुलाम नबी आजाद हैं, जो राज्यसभा में विपक्ष के नेता और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री थे।

सूत्रों का कहना है कि कमलनाथ को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने की संभावना है क्योंकि उनके पास व्यापक अनुभव है और वामपंथी, तृणमूल और राकांपा सहित अधिकांश राजनीतिक दलों के साथ उनके अच्छे कामकाजी संबंध हैं। उन्हें राजनीतिक ढांचे के भीतर एक अच्छी नेटवर्किं ग वाले व्यक्ति के रूप में देखा गया है।

कमलनाथ अहमद पटेल के निधन के बाद से सोनिया गांधी से मिलते रहे हैं और पिछले दिसंबर में जी -23 और सोनिया गांधी के बीच बैठक आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

भूपिंदर सिंह हुड्डा पिछले साल सोनिया गांधी को लिखे गए पत्र में हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक थे, जिसमें गुलाम नबी आजाद भी हस्ताक्षरकर्ता थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)